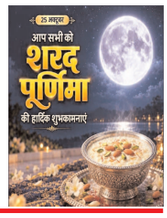
दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

वर्ष-3, अंक-28
इन्दौर, रविवार
25 अक्टूबर 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

RNI-MPHIN/2013/53761



मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 का समापन पर विशेषज्ञों ने कहा-

उद्योगों और शिक्षा संस्थानों के बीच कोलोब्रेशन होना जरूरी है

इंदौर।

सेमीकंडक्टर चिप इंडस्ट्री में मध्यप्रदेश को एक ऐसा इको सिस्टम तैयार करना होगा। जिससे प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग को नई उडान मिल सकें। मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2026 बहुत अच्छी है। लेकिन प्रदेश को चिप डिजाइन, एडवांस्ड पैकेजिंग, टेस्टिंग, टैलेंट जैसे क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। चिप इंडस्ट्री के क्षेत्र में शोध और नवाचार करने वाले शौधार्थियों को लेबोरेटरी में जाकर प्रयोग कर सीखने की आवश्यकता है।



प्रदेश में उद्योगों और शिक्षा संस्थानों के बीच कोलोब्रेशन होना जरूरी है। तभी हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। ये विचार विभिन्न सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण के क्षेत्र में काम कर रहे निर्माताओं और विशेषज्ञों के है, जो उन्होंने मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 के समापन अवसर पर आयोजित अंतिम सत्र में कहे। समापन सत्र में प्रो. योगेश चौहान आईआईटी कानपुर, शिवकुमार पी.आर. Maven सिलिकॉन के फाउंडर एवं सीईओ, सुश्री अपराजिता बैनर्जी डॉयरेक्टर 1-TOPS BY VSI, प्रो. एलेक्स पी जेम्स डिजिटल यूनिवर्सिटी केरला, देवेश द्विवेदी डायरेक्टर ग्लोबल फाउंड्राइस और एम.एम. त्रिपाठी डायरेक्टर जनरल NIELIT, MEITY ने सहभागिता की।

अपराजिता बैनर्जी ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य शासन, नीति निर्माता और चिप निर्माण कंपनियों को एक प्लेटफार्म पर साथ आना होगा। तभी वे प्रदेश को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में आगे ले जा सकेंगे। शिवकुमार ने कहा कि भारत की चिप निर्माण कंपनियों को एआई के साथ जुड़कर और अधिक एडवांस होने की आवश्यकता है। एआई के ताकत को हम नकार नहीं सकतें है। इससे काम आसान हो जाता है और तकनीक की दृष्टि से वह बेहतर होता है। हमारे विद्यार्थियों में बुनियादी ज्ञान है और उसे परिष्कृत करने की आवश्यकता है। समापन सत्र में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के क्षेत्र में कार्य करने वाले कॉरपोरेटस, इंजीनियर्स, तकनीक विशेषज्ञ एवं शौधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अरुणाचल प्रदेश के तक्सिंग में दो इलाके संवेदनशील पर कंट्रोल में

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में असाफिला और लोंगजू के सीमावर्ती इलाके, भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल को लेकर अलग-अलग धारणाओं के कारण संवेदनशील बने हुए हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर स्थिति स्थिर और नियंत्रण में है। अरुणाचल प्रदेश के तक्सिंग सर्कल में मौजूद इन दो इलाकों में समय-समय पर तनाव की स्थिति बन जाती है, क्योंकि नियमित गश्त के दौरान भारतीय और चीनी सैनिक एक-दूसरे के आमने-सामने आ जाते हैं। सूत्रों के अनुसार, इन इलाकों में सुरक्षा के माहौल के बीच ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच किसी हिंसक टकराव की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि जमीनी कमांडर संयम बरत रहे हैं और स्थिति को अपने नियंत्रण में रखे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय स्तर पर होने वाले आमना-सामने के टकरावों को सुलझाने के लिए पहले से तय सैन्य तंत्र का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें फ्लैग मीटिंग और हॉटलाइन के जरिए बातचीत शामिल है। इन माध्यमों का मकसद स्थानीय तनाव को कम करना और ऐसी घटनाओं को बढ़ने से रोकना है।

बंगाल की खाड़ी में कल उठेगा चक्रवाती तूफान

कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना एक मौसमी सिस्टम 26 अक्टूबर की सुबह तक एक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके 28 अक्टूबर के आसपास आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में बहुत भारी बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ की चेतावनी जारी की है।



शनिवार को जारी अपने मौसम बुलेटिन में, इस्त्रे ने बताया कि पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना एक स्पष्ट कम दबाव का क्षेत्र रविवार को और गहरा होकर डिप्रेशन में बदल सकता है। विभाग के अनुसार, 25 अक्टूबर को यह सिस्टम और गहरा होकर डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और 26 अक्टूबर की सुबह तक पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगा। पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ते हुए, यह सिस्टम 28 अक्टूबर की सुबह के आसपास आंध्र प्रदेश के तट के पास, पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंच सकता है। हालांकि, बुलेटिन में यह नहीं बताया गया है कि यह तूफान किस जगह और किस समय तट से टकराएगा ।

अल नीनो : भारत में इस बार कम पड़ेगी सर्दी

नई दिल्ली। प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रहे 'अल नीनो' के प्रभाव के कारण इस बार भारत में सर्दियां हल्की रहने की उम्मीद है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के दौरान तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि साल के अंत तक यानी दिसंबर में अल नीनो अपने चरम पर होगा, जिससे समुद्री सतह का तापमान बढ़ने के कारण वैश्विक वायुमंडलीय पैटर्न प्रभावित होगा... इसका असर भारत के मौसम पर भी साफ दिखाई देगा। अनुमान है कि इसका प्रभाव फरवरी तक बना रह सकता है।

मध्यप्रदेश के 16.70 लाख किसानों को दिवाली की सौगात

मुख्यमंत्री ने खातों में ट्रांसफर किए 317.86 करोड़

नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण

धार।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 24 अक्टूबर को धार जिले के सरदारपुर स्थित खेल परिसर से प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 16 लाख 70 हजार किसानों के खातों में कुल 317 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की। सरकार की ओर से इसे दिवाली से पहले किसानों को दी गई आर्थिक राहत बताया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों की समृद्धि ही सरकार का ध्येय है। इसी उद्देश्य से किसानों के खातों में फसल बीमा की राशि भेजी गई है, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके। डॉ.मोहन यादव ने 2387.60 करोड़ रूपये से अधिक लागत की नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की सौगात भी दी। इससे सिंचाई का रकबा वर्ष 2023 तक सिंचाई रकबा बढ़कर 40 लाख हैक्टेयर हो गया है। उन्होंने कहा कि अब पिछले ढाई साल में हमारी सरकार ने सिंचाई का रकबा 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है। सूखे खेतों को जब पानी मिलता है तो किसानों की फसल सोने जैसे चमकने लगती है। राज्य सरकार कृषि, उद्योग सहित प्रत्येक सेक्टर में काम कर रही है। प्रदेश के किसानों की समृद्धि ही हमारा ध्येय है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में अनेक कार्य हुए हैं। आज प्रदेश के 16 लाख 70 हजार किसानों को दीवाली त्यौहार से पहले 317.86 करोड़ की राशि भेजकर सौगात दी गई है।



पशुपालन और डेयरी उद्योग को भी मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण वर्ष के तहत पशुपालन और डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने बताया कि 25 से अधिक गाय या भैंस पालने वाले दुग्ध उत्पादकों के लिए 43 लाख रुपये की योजना पर 10 लाख रुपये का अनुदान देने की व्यवस्था की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ाना है।

ग्रामीण बस सेवा और भूमि स्वामित्व पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं के विस्तार और पट्टाधारकों को भूमि का स्वामित्व देने की पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पात्र पट्टाधारकों को भूमि की निःशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा देकर सरकार हर वर्ग के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की इन पहलों के जरिए किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने पर जोर दिया जा रहा है।

सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वर्चुअली सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन किया। साथ ही देवेन्द्र नगर-चुरहट ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले के सरदारपुर से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर नागौद एवं चुरहट रेलवे स्टेशन पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए कहा कि आज विंध्य और बुंदेलखंड के लिए रेलवे की नई सौगात का दिन है। यह रेल परियोजना मध्यप्रदेश को विकास के नए दौर में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लगभग 541 किलोमीटर की परियोजना से इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा और लंबे समय से रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता महसूस कर रहे क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। उन्होंने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को लगभग 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लाभ मिला है।





फिलीपींस में 2 ट्रेनी विमान टकराए चारों पायलटों की मौत

मनीला। फिलीपींस में ट्रेनिंग के दौरान वायुसेना के दो विमान टकरा गए। हादसे में दोनों विमानों में सवार चारों पायलटों की मौत हो गई। हादसा रोपहर 3:51 बजे मनीला के दक्षिण में लीपा शहर स्थित फर्नांडो एयर बेस के पास हुआ। दोनों SF-260 विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहे थे। एक विमान के टुकड़े सैन्यकर्मियों के बैरक के पास गिरे। फिलीपीन वायुसेना ने SF-260 विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी है। जांच पूरी होने तक ये विमान उड़ान नहीं भरेंगे। इस साल हवा में विमानों के टकराने का यह दुनिया का पांचवां बड़ा हादसा है।

टाइगर पर फायरिंग मामला

टीवी देखकर हैंडलर ने शूटर्स को सावधान किया

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले शूटर्स को वारदात के बाद भी बाहर से मदद मिल रही थी। उनका एक हैंडलर टीवी न्यूज देखकर उन्हें पुलिस की जांच के अपडेट दे रहा था।इसका खुलासा द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में किया गया है। इसमें कहा गया है न्यूज में शूटर्स के चेहरे दिखे तो आरोपी रेहान को मैसेज आया- तुम्हारे चेहरे दिख गए हैं, यहां से निकल जाओ। शूटर्स को यह भी बताया गया कि पुलिस को उनकी बाइक मिल गई है और उनके ट्रेन से भागने की योजना का पता चल गया है। इसके बाद आरोपियों ने अपना रास्ता बदला और वे बाइक, ट्रेन और कैब से भागते रहे।

ट्रम्प की ईरान को फिर धमकी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को फिर हमला करने की धमकी दी है। उन्होंने शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान कहा, च्हम एक और छोटा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी कर सकते हैं। अमेरिकी सेना ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ जंग शुरू की थी। इसे एपिक फ्यूरी नाम दिया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि दोबारा हमला कब या किस तरह का होगा। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने दोबारा हमला किया तो वह खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बनाएगा।



कार-ट्रक की टक्कर में 6 की मौत

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले के सादुलपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की। शर्मा ने कहा कि चुरु के सादुलपुर में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

केरल लोकभवन में अब मांसाहारी भोजन पर राज्यपाल ने लगाया प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम। केरलम के नए राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी है, कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की और कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। दूसरी तरफ राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने कल ही शपथ ली। उधर अलप्पुझा लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।



व्यापारियों ने राहुल से चुनाव आयोग के खिलाफ रैली टालने को कहा !

कारोबार में नुकसान की जताई आशंका

नई दिल्ली।

कांग्रेस-इंडिया ब्लाक की एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली में नया मोड़ आ गया है। दरअसल अब चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से रैली टालने की अपील की है। संगठन ने शनिवार को पत्र लिखकर कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर के बाद की जाए। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। कांग्रेस व सहयोगी दल 1 नवंबर को रामलीला मैदान में चुनाव आयोग के एसआईआर व चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में बड़ी रैली की तैयारी में हैं।रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारियों ने कहा- धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान दिल्ली में लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा कारोबार होता है। रैलियों और रास्ते बंद होने से दिल्ली के व्यापारियों को अक्टूबर में पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।



पाकिस्तान में गैस सिलेंडर 7 हजार का

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ गई है। 12 किलो के सिलेंडर की कीमत कुछ ही दिनों में 4500 पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 7000 रुपए हो गई है। दरअसल, ईरान से पाकिस्तान को होने वाली एलपीजी की सप्लाई रुक गई है। दोनों देशों के बीच दो अहम सीमा चौकियां 17 अक्टूबर से बंद हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों देशों ने इसकी अलग-अलग वजह बताई हैं। पाकिस्तान ने बताया की उसने सुरक्षा चिंता और तस्करी रोकने के लिए यह सीमा बंद की है। वहीं, ईरान ने इसकी तकनीकी वजह बताई है।

देवास में 10 से ज्यादा मौतों पर मचा हड़कंप: शराब जहरीली, सिस्टम में सुराख या ... !

देवास।

सागर के बाद अब देवास जिले के दो गांवों में शराब पीने से दस से ज्यादा लोगों की मौत की बात सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। हालांकि प्रशासन लगातार इस मामले में लगातार कह रहा है कि जहरीली शराब से मौत की बातें भ्रामक हैं और यह मौतें सामान्य कारणों से हुई हैं या अत्यधिक शराब पीने से हुई हैं। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी और अरुण यादव ने कल देवास के इन दोनों गांवों में पहुंचकर पीड़ित परिवारों व ग्रामीणों से बात की। पटवारी का कहना है कि वे उस शराब की बोतल साथ लाए हैं और इसकी जांच कराएंगे। दूसरी ओर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना का कहना है कि मृतकों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा डॉक्टरों की जांच रिपोर्ट में भी शराब संबंधी गड़बड़ी नहीं मिली है। सक्सेना के मुताबिक जिला कलेक्टर व डॉक्टरों की समूची रिपोर्ट के मुताबिक ही विभाग कार्रवाई की लाइन तय करेगा, इन रिपोर्ट्स में जहरीली शराब का कोई तथ्य नहीं मिला है, बावजूद आबकारी विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में कैंप किए हुए हैं और जो भी दुकानों व स्टाक आदि की जांच भी प्रक्रिया के मुताबिक कर रही हैं तथा शराब की कैमिकल जांच में इसमें गड़बड़ी नहीं मिली है।

गौरतलब है कि सागर में जहरीली शराब के सेवन से लगभग ढाई दर्जन मौतों की घटना सामने आने के बाद देवास को लेकर शासन-प्रशासन देवास को लेकर बेहद 'सतर्क' है। बताया जा रहा है कि देवास के करीब के बिंजाना व चंदाना गांव में क्रमशः 27 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच यह मौतें हुई हैं। सभी मृतक शराब पीने के आदी भी थे। इन्हें उल्टियां हुईं, कुछ को दिखाई देना बंद हो गया और दस की मौत हुई। कुछ का इलाज जारी है। यह भी बताया जा रहा है कि फूलसिंह नामक जो बुजुर्ग बच गया है,उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। इसके अलावा यह ग्रामीण जिनसे शराब खरीदते थे वे दोनों भी फरार हैं, इनके नाम विष्णु व विंदु जायसवाल बताए जा रहे हैं। वे ठेकेदार की मंजूरी से डायरी सिस्टम के तहत शराब बेचते थे। इधर कांग्रेस सरकार पर हमलावर है, प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने दावा किया कि देवास जिले में जहरीली शराब से अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। सरकार और जिला प्रशासन को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने आबकारी व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं व कहा कि जब जहरीली शराब की शिकायतें पहले से थीं, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? पानी को कारण बताकर या दूसरे बहाने बनाकर असली सवालों से ध्यान नहीं भटकाया जा सकता । उन्होंने अफसरों से बातचीत के दौरान उनके खिलाफ भी एफआईआर की बात कही। इधर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने कहा कि हम किसी भी घटना को छिपाने का प्रयास नहीं करेंगे,बल्कि जो भी तथ्य सामने आएंगे,उसके मुताबिक कार्रवाई करेंगे।

कहानी

अजब विधान

गोविन्द सेन



डोकरी बार-बार श्रद्धापूर्वक दुर्गा माँ की प्रतिमा की ओर मुँह कर माथा नवाते हुए हाथ जोड़े रही थी। आश्रम में दुर्गा माँ की आदमकद प्रतिमा स्थापित थी। 'माता माय...माता माय...कृपा बनाए रखना' जैसा कुछ डोकरी बुदबुदा रही थी। आश्रम के मुख्यद्वार से कुछ दूर नीम का पेड़ है। वह उसी के नीचे खड़ी थी। लगता था कि उसको दिखता भी कम है और वृद्धावस्था के कारण चलने में भी तक़लीफ़ है। पर दुर्गा माँ के दर्शन करने की उसकी तीव्र इच्छा थी। उसके हावभाव में माँ के लिए असीम और सच्ची श्रद्धा झलक रही थी। वह जितनी वृद्ध थी उतनी ही उसकी श्रद्धा पक्की थी। घाघरा, पोलका और साड़ी भले ही फटे-पुराने और रंग उड़े थे, पर साफ़-सुथरे थे। वह माता के दर्शन के लिए घर से नहा-धोकर आई थी। यथासंभव पवित्र होकर। मैं उसे देखकर अभिभूत हो गया। दुर्गा माँ के लिए मेरे मन में उतनी श्रद्धा न होने का मलाल भी भीतर थोड़ी देर के लिए कौंध गया। 'चल माय, हवं तुख भित्तर ली चलूँ। माता का दरसन कर लीजे आराम सी,' मैंने उससे कहा।

'नय भई! हवं भित्तर नी जय सकती,' डोकरी को लगा कि मैंने कोई अनहोनी बात कह दी हो।

'क्यों, माय?' मैंने उसके मुँह से कारण जानना चाहा।

'हवं नीची जात छे नी।'

'तो?'

'हवं त ह्यांज सी माता माय का हात जोड़ लवंगा रे भई।'

आख़िर मैं उन्हें भीतर ले जाकर दर्शन करने के लिए राज़ी न कर सका। आश्रम में एक पेड़ के नीचे बाबा पीले रंग के शिलाखण्डों से बने एक काम चलाऊ चबूतरे पर बैठे थे। उनके शरीर पर मात्र लंगोटी और जनेऊ थी। बाकी बदन उघाड़ा था। बारहों महीने उनकी यही वेश-भूषा रहती है। बहुत हुआ तो कमर पर एक सफ़ेद पंछा लपेट लिया, बस। दाढ़ी और सिर के बाल बेतरतीब बढ़े हुए थे। बाल घने नहीं थे। दाढ़ी के बाल छोड़ी पर एक गुच्छे के रूप में सिमटे थे। सिर के बाल भी वैसे ही। क़लम से नीचे कनपटी के कुछ भाग पर तो बाल क़रीब-क़रीब थे ही नहीं। मूँछें लटक कर छोड़ी के गुच्छे में मिल गई थी। सिर और दाढ़ी के आधे से ऊपर बाल सफ़ेद हो चुके थे।

चबूतरा मोटी रेत से भरा था। चारों ओर एक दिव्य शांति बरस रही थी। आसपास भक्तगण बाबा के प्रति पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करते हुए बैठे थे। सभी भक्तों की चोटियाँ बड़ी थीं जिनमें क़रीने से गठानें लगी हुई थीं। मैं भी दूर से ही बाबा को प्रणाम कर बैठ गया। बाबा वेद-पुराण, रामायण, महाभारत आदि की गूढ़ चर्चा कर रहे थे। बाबा की वाणी गंभीर थी। वे धीमे और शांत स्वर में बोल रहे थे। लग रहा था बाबा के पास ज्ञान-जल से भरा कोई घट हो और उस घट से सभी प्यासे भक्तों को वे घूँट-घूँट ज्ञान-जल पिला रहे हों। भक्तगण उस ज्ञान-जल को भीतर जज़्ब कर रहे थे और धन्य हो रहे थे। वे पूरी सावधानी बरत रहे थे कि इस दिव्य जल की एक बूँद भी व्यर्थ न जाए।

बाबा के आश्रम ने लम्बी-चौड़ी जगह घेर रखी थी। आश्रम चारों ओर से ऊँचे परकोटे से घिरा था। खोदरे ने समकोण बनाकर आश्रम की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा बना दी थी। भीतर जगह-जगह हवन कुंड और फूल वाले तथा छायादार पेड़ और फूलदार पौधे थे। तुलसी के चौरे तो कई थे। परकोटा पत्थर की दीवारों से बना था। लगता था कि इन दीवारों को अनगढ़ हाथों से खड़ा किया हो। शायद इन जैसे चोटीधारी बाबा के भक्तों ने ही इन्हें खड़ा किया हो। दीवारों में भले ही उतनी सफ़ाई नहीं थी, पर श्रद्धा की कोई कमी नहीं थी।

तभी बाबा के पुराने भक्त गणपत भाई आए। उन्होंने अपनी सफ़ेद कार आश्रम के बाहर नीम के पास पार्क कर दी थी। आते ही वे बाबा के आगे दंडवत हो गए। उन्होंने सफ़ेद कुरता-पाजामा पहन रखा था। उँगलियों में सोने-चाँदी की अँगूठियाँ पहन रखी थीं जिनमें तरह-तरह के रत्न जड़े थे। उनकी मोटी गर्दन में सोने की क़ीमती चेन झूल रही थी। बाबा ने उन्हें अपने दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया। गणपत भाई सट्टा किंग के नाम से जाने जाते थे। वे सट्टे के खवाल थे और इसके ज़रिए उन्होंने अपार पैसा कमाया था। बाबा के कहने पर अब वह सट्टे का काम छोड़कर प्रॉपर्टी ब्रोकर का काम करने लगे थे। यह धंधा भी खूब जम गया था। इसमें भी उन्हें बहुत बरकत हो रही थी। इसे वे बाबा की कृपा ही मानते हैं। बाबा के प्रति उनका विश्वास अगाध है। वे मुक्त हस्त से आश्रम में दान करते हैं। बाबा के भक्तों में उनका विशिष्ट स्थान है।

बाबा को आसपास के इलाक़े ही नहीं दूर-दूर तक भगवान की तरह पूजा जाता था।

लोग घरों में उनकी फोटो लगाकर रखते थे। फोटो के आगे नियम से अगरबत्ती लगाते। बाबा के माथे पर कंकू-चन्दन का टीका लगाते, फूल चढ़ाते। शिश नवाते और आशीर्वाद लेते। एक भक्त कवि ने तो उनकी आरती भी बनाकर अन्य भक्तों में वितरित कर दी थी।

लोग अपने दुःख लेकर बाबा के पास आते रहते थे। बैठे हुए भक्तों में से एक भक्त हाथ जोड़ते हुए बोला- 'बाबा इना साल तऽ फसल बर्बाद हुइ गई। परका साल डोकरा को नुकतो कर्यो। इना साल छोरी को व्याव करणु छे। करजो पयल-सी छे। कय होयगा बाबा! भगवान भक्त न खज दुःख क्यों देय?'

'भगवान ख दोस नी देणु। यो सब पूर्व जनम को फळ छे। कोई खोटा करम कर्या होयगा। जेको फळ भुगती रयाज। बस भगवान ख मत भूल। माँ को जाप कर। दान-पुण्य कर। भाग्य बिना नर पावत नाही। कलपणु नी। ऊपर वाला ख सबकी फिकर छे। सब ठीक हुय जायगा।'

पता नहीं भक्त कुछ समझा या नहीं। पर वह चुप हो गया। मानो बाबा ने उसकी समस्या का समाधान कर दिया हो। आश्रम के भीतर प्रवेश के पहले ही डोकरी की दुर्गा माँ के प्रति असीम श्रद्धा देख एक सवाल मेरे भीतर कुलबुलाने लगा था। पर बाबा से सवाल करने की हिम्मत नहीं हो रही थी। वैसे भी बाबा के आसपास भक्तों का जमघट था। उनके सामने सवाल उठाना जोखिम का काम था।

'भगवान दयालु छे नी बाबा, 'आखिर में मैंने बाबा से बात करने की ठान ली।

'हाँ, छे नी।'

'भोळ्य को भगवान छे नी बाबा।'

'हाँ, छे।'

'रामजी न सबरी का झूठ बोर खाया था नी बाबा।'

'हव, खाया था।'

'मनुस-पशु-पक्षी सब न ख भगवानज बणाया नी बाबा।'' 'हव सबख भगवानज बणाया।' ऊपर पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गिलहरियाँ दौड़ लगा रही थीं। पशु-पक्षियों पर आश्रम में आने-जाने की कोई पाबन्दी नहीं थी। एक तरफ़ गाएँ चर रही थीं। 'कण-कण में भगवान छे कि नी बाबा?' आख़िर हिम्मत कर मैंने बाबा से पूछ ही लिया। 'हव, छे नी, कण-कण में भगवान छे,' बाबा ने सहज उत्तर दिया।

'तो बायरऽ खड़ेल डोकरी में बी भगवान होएगा।'

'हव, छे तो...?' बाबा ने मुझे अर्थपूर्ण नज़रों से देखा।

'तो हवं उन डोकरी ख भित्तर ली अऊँ। बापड़ी माता का दरसण कर लेयगा। घणी देर से हाथ जोड़ी न नीम का हेटऽ खड़ेल छे।'

'नय, वख भित्तर मत लावजे।'

'क्यों बाबा, अस्यो क्यों?'

'बस, मन के कय द्यो नी, वख मत लावजे।'

'अरे भई, वा नीच जात की छे।'

'नीच जात की छे तो काय हुई गयो?'

'अरे, ई लोग दारू पियज, मांस-मच्छी खाय, गन्दा रयज। ''दारू न मांस-मच्छी तो ऊँची जात का लोग बी खाज, गन्दा काम करज, ऊँ लोग तो माता का दरसण मजा सी करज,' मैंने हक़ीक़त बताकर खंडन किया।

गंदे काम करने वाले कई लोग बाबा के आश्रम में बेखटके आते हैं और अपनी ऊँची जाति के कारण बाबा के कृपा पात्र भी हैं। माता की मूरत के आगे दंडवत होते हैं। अपनी श्रद्धा का भौंडा प्रदर्शन करते हैं। उस भूरेलाल को ही लो जिसने अपनी पत्नी के होते हुए भी एक आदिवासी महिला को रखा हुआ है। यह ठीक है क्या? परस्त्रीगमन तो सबके लिए बुरा ही है, चाहे वह कोई भी हो। तो फिर कुछ लोगों को छूट क्यों? हाँ, वह चोटी रखता है। तिलक लगाता है। माता के पूजन और दान में आगे रहता है। काम करता है शराब बेचने का। वही शराब जिससे कई घर बर्बाद होते हैं।

मेरे तर्क उन्हें नागवार लग रहे थे। शूल की तरह चुभ रहे थे। बाबा की भृकुटी सहसा तन गई। उन्होंने मुझे आग्नेय दृष्टि से देखा, मानो जलाकर भस्म कर देंगे। मेरे सवाल ने उनकी ही नहीं पूरे आश्रम की शांति भंग कर दी थी।

'घणी वात आवज तुख...ज्यादा भणी गयो कय?'

आसपास बैठे चोटीधारी भक्तों ने मुझे वहाँ से खिसकने का इशारा किया। उन्हें मेरा बाबा से जिरह करना नागवार लग रहा था। ये मुझे उठाकर आश्रम से बाहर करने की मुद्रा में आ गए। मैं भी अब वहाँ ठहरना नहीं चाहता था।

नीम के नीचे ही गणपत भाई की चमचमाती कार खड़ी थी। बाबा के आश्रम के बाहर उसी नीम के नीचे कार के पास डोकरी अभी भी हाथ जोड़े खड़ी थी। मुझे उस पर बहुत तरस आ रहा था। पर क्या कर सकता था? उसके मन मंदिर में तो माँ दुर्गा बैठी थीं और माँ दुर्गा बाबा के आश्रम में विराजित थीं। आश्रम बाबा का था। बाबा की इच्छा के बिना डोकरी अन्दर नहीं घुस सकती थी। पत्थर की चमचमाती माता भीतर थीं और जीवित माता अपनी फीकी रंगत के साथ बाहर खड़ी थीं। जीवित माता पत्थर की माता के दर्शन के लिए तड़प रही थी। अजब विधि का विधान है। (साभार)

सुविचार

चाहे गुरु पर हो य ईश्वर पर, श्रद्धा अवश्य रखनी चाहिए। क्योंकि बिना श्रद्धा के सब बातें व्यर्थ होती हैं।

- स्वामी रामदास

सत्ता की महत्ता तो मोहक भी बहुत होती है, एक बार हांथ में आने पर और कंटीली होने पर भी छोड़ी नहीं जाती।

- इंद्रावलोचन दर्मा

प्रसंग...

प्रार्थना के बीच में

एक सेठ एक साधु से मिलने आया। साधु को प्रणाम करके उसने कहा, 'बाबा, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं कर पाता। जब भी मैं ध्यान लगाने की कोशिश करता हूं तभी मेरे आगे दुनियावी चीजें आ खड़ी होती हैं। धन कमाने और पारिवारिक तनाव के बारे में सोचने लग जाता हूं। आप ही बताइए मुझे प्रार्थना में मन लगाने के लिए क्या करना चाहिए?' यह सुनकर साधु महाराज सेठ को एक ऐसे कमरे में ले गए जिसकी खिड़कियों में शीशे लगे हुए थे। साधु ने सेठ को कांच के पार बाहर का नजारा दिखाया। शीशों से पेड़, उस पर चहकते पक्षी व दूसरी कई चीजें नजर आ रही थीं। यह देखकर सेठ प्रसन्न हो गया। उसके बाद साधु उसे एक दूसरे कमरे में लेकर गए। वहां कमरों की खिड़कियों पर चांदी की चमकीली परत लगी हुई थी। साधु बोले, 'सेठ जी, जरा देखो तो इस चांदी की चमकीली परत के पार आप क्या देख पाते हैं?' सेठ चांदी की चमकीली परत के पास गया तो उसे अपने चेहरे के सिवाय और कुछ नहीं दिखा।

बाहर के मनोरम दृश्य उस परत में खो गए थे। यह देखकर सेठ बोला, 'बाबा, यहां तो बाहर की दुनिया ही गायब है। चांदी की चमकीली परत में तो मुझे सिवाय अपने चेहरे के कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता जबकि कांच में से मुझे बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई पड़ रहे थे।' सेठ की बात सुनकर साधु बोले, 'बिल्कुल सही कहा तुमने। इसी तरह तुम भी प्रार्थना करते समय अपने ऊपर चांदी की परत चढ़ाए रखते हो इसलिए उसमें तुम्हें अपनी शक्ल और अहं के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। यदि तुम स्वयं को कांच की तरह पारदर्शी और स्वच्छ बनाओगे तो तुम्हारा प्रार्थना में ध्यान सहज ही लग जाएगा।' सेठ को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह बेमतलब की चीजों को प्रार्थना के बीच में नहीं आने देगा।

लघु कथा

डॉ. पद्मावती

अपराधी कौन

'आज सर्दी ज्यादा है भई, हड्डियाँ काँपा रही है। उफ़! खैर कल जो चार लोगों को पकड़कर लाए थे, कुछ पता चला उनसे?' इंस्पेक्टर शर्मा ने जीप के अंदर आकर दरवाज़ा बंद करते हाथ रगड़ते हुए पूछा। 'नहीं साहिब, उन्हें कुछ नहीं पता। लगता है वे लोग अपराधी नहीं है।' 'कैसे कह सकते हो वागले? ये लोग जीते ही अपराध की दुनिया में हैं। पैसे के लिए कुछ भी कर सकते हैं। 'नहीं साब! मार मार के अधमरा कर दिया था। लेकिन लगता है ये लोग अपराधी नहीं हैं। हमसे कुछ ग़लत हुआ है,' वागले गंभीर था। चेहरे पर अपराध बोध। शर्मा ने उड़ती नज़र वागले पर डाली और ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। ठंडी धुँध की रात क़हर ढा रही थी। सड़क पर यातायात कम था। सर्दी के कारण सभी घर में दुबक गए थे। अचानक उनकी नज़र रुकी। गली के छोर पर कुछ लोग बैठे आग सेंक रहे थे। इन्सपेक्टर शर्मा ने गाड़ी को ब्रेक लगाने का इशारा किया।

गाड़ी रुकी। 'वागले, जाओ उन लोगों से पूछताछ करो। अपराध इसी मोहल्ले में हुआ है। कुछ सुराग़ मिल सकता है। सीधे न माने तो उँगली टेढ़ी करो,' कठोर स्वर में आदेश था। 'माफ़ करें साब। एक बार फिर सोचिए। दोबारा ग़लती होगी। कल हम यह अपराध कर चुके हैं। हम पुलिस वाले तो चेहरा देख कर ही सूँघ लेते हैं। और तो और, उस कुत्ते को देखा? कितने विश्वास से उनके साथ बैठ गर्मी ले रहा है। अरे साब, उन्हें कुत्ता भी जानवर नहीं लग रहा और हमें आजकल ग़रीब इन्सान इन्सान ही नहीं लग रहा।'

इन्सपेक्टर शर्मा की भावशून्य निगाहें उस श्वान पर पड़ी। उसने ड्राइवर को इशारा किया। गाड़ी धूल उड़ाती आगे निकल गई।

जरा हटके

जापानी स्पेस एजेंसी तैयार कर रही एमएमएक्स मिशन, खुलेंगे कई रहस्य

जापान की स्पेस एजेंसी मंगल ग्रह के दो चांद, फोबोस और डीमोस की गुत्थी को सुलझाने के लिए 'मार्टियन मून्स एक्सप्लोरेशन' (एमएमएक्स) मिशन तैयार कर रही है। इस मिशन का लक्ष्य मंगल के सबसे बड़े चांद फोबोस से कम से कम 10 ग्राम मिट्टी और अन्य पदार्थ के नमूने एकत्र कर 2031 तक धरती पर वापस लाना है, जिससे इन दोनों चंद्रमाओं की उत्पत्ति का राज खुल सके। फोबोस करीब 22-27 किलोमीटर और डीमोस लगभग 12-15 किलोमीटर लंबा है, लेकिन उनका निर्माण कैसे हुआ, यह सवाल अब भी अनसुलझा है। वैज्ञानिकों के पास इन सवालों के दो मुख्य सिद्धांत हैं। पहली थ्योरी यह कहती है कि फोबोस और डीमोस कभी अलग-अलग एस्टेरॉयड थे, जो अंतरिक्ष में विचरण कर रहे थे और बाद में मंगल के शक्तिशाली गुरुत्वाकर्षण बल ने उन्हें अपनी कक्षा में फंसा लिया। दूसरी थ्योरी यह बताती है कि मंगल ग्रह से किसी विशाल पिंड के टकराने के बाद जो मलबा अंतरिक्ष में बिखरा, वही धीरे-धीरे जमा होकर इन दोनों चंद्रमाओं में परिवर्तित हो गया। फोबोस से लाए गए नमूनों में मौजूद खनिजों और रासायनिक तत्वों की जांच से इन दोनों में से सही सिद्धांत की पुष्टि हो सकेगी, और इससे मंगल तथा उसके आसपास के अंतरिक्ष के शुरुआती इतिहास को समझने में भी मदद मिलेगी। फोबोस पर उतरना और वहां से मिट्टी के नमूने इकट्ठा करना एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि इसका गुरुत्वाकर्षण बेहद कमजोर है।

ऐसे में स्पेसक्राफ्ट को अत्यधिक सावधानी से काम करना होगा ताकि नमूने जुटाते समय वह अनियंत्रित होकर अपनी जगह से न हट जाए। इस चुनौती से निपटने के लिए मिशन में नमूने जुटाने के दो खास सिस्टम होंगे। पहला उपकरण फोबोस की सतह के नीचे से मिट्टी का नमूना निकालेगा, जबकि दूसरा सिस्टम तेज दबाव वाली नाइट्रोजन गैस का उपयोग करके सतह के कणों को उड़ाएगा और उन्हें एक विशेष कंटेनर में इकट्ठा करेगा। मिशन की योजना के मुताबिक, फोबोस की दो अलग-अलग जगहों से नमूने जुटाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जर्मनी और फ्रांस के सहयोग से एक छोटा रोवर भी फोबोस की सतह का अध्ययन करेगा।

फोटो ऑफ द डे



फ्रांस की राजधानी पेरिस में पुलिस अधिकारी रात के कर्फ्यू के दौरान एक इलाके की घेराबंदी करते हुए।

चिंतन-मनन

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध्र अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्रार कमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं।

राज काज

खाड़ी देश से अमेरिका के राजनायिकों की वापसी?

ऐसा लगता है, एक बार फिर अमेरिका और ईरान के बीच बड़े पैमाने पर युद्ध होने जा रहा है। सऊदी अरब में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर हमला कर दिया है। उसके बाद अमेरिका ने खाड़ी के अधिकांश देशों से अपने राजनायिकों को बाहर निकालना शुरू कर दिया है। ऐसा माना जा रहा है। जल्द ही अमेरिका ईरान के ऊपर बड़ा हमला करेगा। अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन कतर और बहरीन से अपने कर्मचारियों को बाहर निकालने की शुरुआत कर दी है। नवंबर में अमेरिका में चुनाव है। इस चुनाव के बाद ईरान पर बड़ा हमला हो सकता है।

रेहान वाड्रा और आपातकाल?

इन दोनों देश में घोषित और अघोषित आपातकाल की तुलना की जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के परपोते प्रियंका गांधी के लड़के रेहान वाड्रा इन दिनों चर्चाओं में हैं। उन्होंने एक प्रदर्शनी दिल्ली में लगाई थी। इस प्रदर्शनी में जंतर मंतर में हुए आंदोलन में जो पुलिस बर्बरता हुई थी। उससे संबंधित फोटोग्राफ थे। दिल्ली पुलिस ने उन्हें निकालने का आदेश दे दिया। इसके बाद इंदिरा गांधी के आपातकाल की भी चर्चा शुरू हो गई। रेहान वाड्रा को कहा गया, वही आपातकाल में हुआ था। जब इंडियन एक्सप्रेस जैसा अखबार सेंसर हुआ था तब तुम कहां थे। रेहान वाड्रा फोटोग्राफर हैं। उन्हें अघोषित आपातकाल में प्रदर्शनी में फोटो लगाने की अनुमति नहीं दी गई। जिसके कारण अब दोनों इमरजेंसी की तुलना हो रही है।

राष्ट्रपति को कब सबूत देगा विपक्ष?

विपक्षी पार्टी के नेताओं ने 9 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रोपदी से मुलाकात की थी। उन्होंने विपक्षी नेताओं से सबूत मांगे थे। अभी तक उन्हें सबूत नहीं दिए गए हैं। सत्ता पक्ष अब इसी बात पर विपक्ष का मज़ाक उड़ा रहा है। यह अलग बात है, भारत के राष्ट्रपति को कोई अधिकार तो है नहीं। रोजाना सबूत चुनाव आयोग के खिलाफ सामने आ रहे हैं। समाचार पत्रों में तथ्यों के साथ खुलासा हो रहा है। सरकार कुछ नहीं कर रही है। राष्ट्रपति को सबूत देने के बाद भी सरकार कुछ करेगी, ऐसा ना तो पहले कभी हुआ है, और ना इस सरकार में होने वाला है। सरकार ने इसे अपने बचाव का एक रास्ता बना लिया है। यह चर्चा राजनीतिक हलकों में है।

व्यंग्य

अशोक परुथी

आज मैं शर्मिंदा हूँ?

आज मैं शर्मसार हूँ ...लानत है, नेताओं को ... एक सर्वे के मुताबिक भ्रष्टाचार के क्षेत्र में भी मेरा भारत चीन से पिछड़ गया है। आबादी में तो हम चीन से पीछे थे ही ...लेकिन अब भ्रष्टाचार के क्षेत्र में भी चीन ने भारत को खदेड़ दिया है! रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 18 वर्षों में पहली बार भारत चीन से कम भ्रष्टाचारी है, लेकिन इसका यह अभिप्राय नहीं कि भारत से भ्रष्टाचार का विनाश हो गया है बल्कि इसका मतलब यह है कि चोर तो दोनों देश हैं बस इस मामले में चीन थोड़ा ज्यादा लुच्चा है! सन् 2006 और 2007 में दोनों देशों का इस क्षेत्र में एक ही दर्जा था। दोनों बड़ी टक्कर के खिलाड़ी थे लेकिन अब हमारे हलक़ से यह बात नहीं उतर रही कि चीन हमसे आगे कैसे निकल गया है! क्या हो गया है हमारे निकम्मे राजनीतिज्ञों को?

विश्व में कम से कम भ्रष्टाचार वाले देशों में आस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और डेन्मार्क जैसे देशों के नाम मुख्यतः हैं। भ्रष्टाचार में चीन से पिछड़ने के लिए भारतीय जनता में जागरूकता के आने और अन्ना-हजारे के जन आंदोलन को मुख्यतः रूप से दोषी ठहराया जा रहा है। मोदी जी ने भ्रष्टाचार को दाल समझकर अपने चुनाव के बाद झट से नारा लगा दिया है 'न खाऊँगा और न किसी को खाने दूँगा!' मोदी जी की नीतियाँ उन्हीं की अपनी बनाई नीतियों का प्रतिरोध करती हैं। मोदी जी अगर लोगों को खाने नहीं देंगे तो भला शौचालय क्या 'शो' के लिए बनवाये जा रहे हैं!

बाज़ार में ऐसी दालें जिसे खाने से बकरी भी अपना मुँह बनाती है के भाव आजकल आसमां छू रहे हैं! बेचारा, ग़रीब बाज़ार जाता तो दाल लेने के लिए है लेकिन उससे उसकी हैसियत से बाहर - महँगी दाल खरीदने की हिम्मत नहीं हो पाती। बस, दाल को सूँघकर ही वह अपने मन को तसल्ली दे लेता है! पति को हाथ में खाली झोले के साथ मुँह लटकाए देख कर पत्नी भी यह कहकर सब्र कर लेती है ...आप भी न ... !

सुना है, आजकल भारत में प्याज का भी यही हाल है और लोगों ने उसे औषधि की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। हरेक चीज़ के भाव को आग लगी हुई है। लोगों ने मिर्च-मसालों का इस्तेमाल करना कम कर दिया है या छोड़ दिया है। मेरे इस कथन की पुष्टि फ़ेस-बुक पर आए दिन हल्दी, अदरक, अजवाइन, लहसुन, प्याज़ आदि के फ़ायदे बताने वाले नुसखों से होती है। सोशल मीडिया और पत्र-पत्रिकाओं में आजकल पाक-विद्या (तरह-तरह के भोजन बनाने की कला) की कोई बात करता नहीं दिखता, लेकिन खाली पेट में मरोड़ पड़ने से बचने के लिये घरेलू नुसख़ों की भरमार लगी दिखती है। हरेक ऐरा-गैरा हकीम और पंसारी बना लगता है! तरह-तरह के जानलेवा सुझाव दिए जाते हैं जैसे हार्ट-अटैक हो रहा हो तो पीपल का पत्ता खाओ, अस्पताल नहीं जाओ ...अपनी मौत घर पर ही खुलाओ!

उम्मीद तो नहीं लेकिन, मैं भी मरने के लिये अगर भारत लौटा तो उससे पहले 'टाइम-पास' के लिये पंसारी की एक दुकान खोलने की तमन्ना रखता हूँ क्योंकि अमेरिका में जीने के लिये अमेरिका के एक-दो डालरों में एक किलो दाल का मिलना सस्ता तो लगता है, मगर यक़ीन करें यहाँ मरना बहुत महँगा है और मरने से पहले इलाज भी बहुत महँगा है! दवाइयों की भारी क़ीमतें भरकर गोलियाँ हलक़ से नीचे नहीं उतरतीं!

स्वास्थ्य

खुशी और निराशा की अवस्था में ज्यादा जंक फूड खाते हैं बच्चे

आजकल बच्चों को फास्ट और जंक फूड का शौक बढ़ता जा रहा है। इसका एक कारण तो यह है कि यह आसानी से उपलब्ध है और जल्दी बन जाता है। दूसरे इसका स्वाद जिसे बच्चे बेहद पसंद करने लगे हैं। वहीं अब एक नये अध्ययन में सामने आया है कि बच्चा खुशी और दुख की अवस्था में खाने के प्रति अगल-अलग तरीके से व्यवहार करता है। दुख की अवस्था में ना केवल जंक फूड की तरफ अधिक आकर्षित होता है बल्कि सामान्य से ज्यादा खाता भी है।

पहले के शोधों में सामने आया था कि जो लोग अवसाद की अवस्था से गुजर रहे हैं, वे अनहेल्दी फूड खाते हैं जिससे मोटापे का शिकार हो जाते हैं। ज्यादा खाने की वजह से उनके अवसाद में बढ़ोत्तरी ही होती है और स्वास्थ्य भी खराब होता है।

शोध के दौरान 4.5 साल से लेकर 9 साल तक के 91 बच्चों को शामिल किया गया। बच्चों को अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया और सबको अलग-अलग मूड के फिल्म सीन दिखाए गए। इसमें पाया गया कि भावुक कर देने वाले सीन के दौरान बच्चों ने ज्यादा चॉकलेट खाए।

» न्यूज ब्रीफ

टकराने पर मारपीट

इंदौर। फरियादी कैलाश पिता ओमप्रकाश पोरवाल निवासी जनता क्वार्टर ने पुलिस को बताया कि उसकी बाइक से विनोद पिता चंद्रकांत को मालवा मिल चौराहे पर टक्कर लग गई इसी बात को लेकर उसने मारपीट की और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ई रिक्शा चोरी

इंदौर। फरियादी दिलीप पिता रमाकांत साहू निवासी गोविंद नगर बाणगंगा ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी ई रिक्शा को अज्ञात व्यक्ति देर रात चुरा कर ले गया। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

जली महिला ने तोड़ा दम

इंदौर। लीलाबाई पति शंकर लाल वर्मा 55 साल निवासी मांगलिया की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक को चार दिन पहले घर में गंभीर रूप से जल गई थी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

गुंडे ने चाकू मारा

इंदौर। फरियादी महेश पिता जानकी लाल गुप्ता निवासी एरोड्रम ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले अशोक पिता चंद्रकांत सोलंकी ने 2000 रुपए शराब पीने के लिए मांगे नहीं दिए तो चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो जख्मी

विजयनगर चौराहे पर कार की टक्कर से बाइक सवार आलोक पिता संजय शर्मा और जितेंद्र पिता अनिल सोनी घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हथियार लेकर घूमते 4 धराए

इंदौर। सहयोगितागंज पुलिस ने दीपक पिता कॉतिलाल राठौर से तलवार और अशोक पिता घनश्याम पवार से गुप्ती बरामद की है। इसी प्रकार पलासिया पुलिस ने नितिन यादव से चाकू और शुभम गुर्जर से तलवार बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बहू को दहेज प्रताड़ना

इंदौर। फरियादी सुषमा जैन 30 साल निवासी छत्रपति नगर की रिपोर्ट पर पति मनोज जैन सास बबिता जैन ससुर बाबूलाल जैन आदि के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की धारा में पुलिस ने केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसे मायके से 10 लख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।

किशोरी का अपहरण

इंदौर। विदुर नगर में रहने वाली किशोरी परिजन को सहेली के घर जाने का बोल करने के लिए थी जो लापता हो गई। परिजन ने उसे रिश्तेदार और अन्य जगह तलाश मगर उसका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है।

कार के कांच फोड़े

इंदौर। फरियादी आशुतोष पिता ओम नारायण शुक्ला निवासी अनूप नगर ने पुलिस को बताया कि उसकी घर के बाहर खड़ी कार के कांच नितिन पिता मुन्नालाल वर्मा ने फोड़ दिए और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा पीते पांच धराए

इंदौर। राजेंद्र नगर पुलिस ने अमितेश नगर के पास गांजा पीते हुए विनय पिता लक्ष्मी नारायण साहू अजय पिता बसंत पवार नरेंद्र पिता बाबूलाल चौहान और दो अन्य को पकड़ा। इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किशोरी ने जहर खाया

इंदौर। राजनगर में रहने वाली किशोरी ने जहर खा लिया जिसे परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है बताया जाता है कि फोन पर बात करने को लेकर मां ने फटकार लगाई तो उसने यहां कदम उठा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तड़ीपार पकड़ाया

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दिलीप उर्फ सनी पिता गेंदालाल जाट 45 साल निवासी भगत सिंह नगर को पकड़ा। तलाशी पर लेने पर चाकू बरामद किया। आरोपी को पिछले दिनों 3 महीने के लिए जिला बदर किया था।

गांजा सहित दो बंदी

इंदौर। एमजी रोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्कूटर सवार राजेश मालवीय और विजय चौहान को पकड़ा। उनके पास से 530 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मनचले को पीटा

इंदौर। गंगा कॉलोनी धार रोड पर रहने वाली महिला के साथ छेड़छाड़ कर रहे नितिन पिता घनश्याम माली को क्षेत्र के लोगों ने पकड़ा और जमकर पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

'जत्रा' के आगाज में सजी मराठी व्यंजनों की दावत

महाराष्ट्र के कलाकारों ने लावणी की प्रस्तुति से बांधा समा





इंदौर।

इंदौर सर्व मराठी भाषीय सोशल एंड कल्चरल सोसायटी के मेगा इवेंट 'जत्रा मराठी वारसा फेस्टिवल' का आगाज 23 अक्टूबर शुक्रवार को दोपहर 2 बजे हुआ। यह आयोजन तीन दिन तक चलेगा। जहां तीन दिन (23, 24 एवं 25 अक्टूबर) तक अनवरत स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद बिखरेगा। विजय नगर के सत्यसाई चौराहा स्थित गुजराती स्कूल के ग्राउंड पर जत्रा मराठी वारसा फेस्टिवल को बेहद खूबसूरत अंदाज में सजाया गया है, जिसकी छटा देखते ही बन रही है।

आयोजन समिति की अध्यक्षा स्वाति काशिद ने बताया कि मराठी व्यंजनों के 50 से अधिक स्टॉल पर व्यंजन बनकर तैयार हैं, यहां स्वादिष्ट व्यंजनों की महकने लगे है। इसी के साथ ट्रेड जोन भी लग चुका है। यह जत्रा शुक्रवार से तीन दिन 23, 24 एवं 25 अक्टूबर 2025 रविवार तक रहेगी। जत्रा का आगाज रविवार दोपहर 2 बजे समेत अनेक विशिष्टजनों की मौजूदगी में किया गया।

देर रात तक चलेगी 'जत्रा'

एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर हो रहे आयोजन में जहां महाराष्ट्र की लोककला जीवंत रूप ले रही है वहीं शाम होते होते लावणी कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। सोसायटी के सदस्यों द्वारा जत्रा में शिवाजी महाराज के प्रतापगढ़ किले को बनाया गया है।

महाराष्ट्र से लोकनृत्य लावणी महाराष्ट्र चे मानकारी कलाकार प्रस्तुति देंगे। परिसर को भगवा थीम पर सजाया गया है। इस आयोजन के लिए 'महाराष्ट्राचे मानकरी' नाम की कलाकारों की टीम इंदौर पहुंच चुकी है। यह टीम नामवंत कलाकारों की टीम है जो अनेक पुरस्कार पा चुकी है। साई समर्थ प्रोडक्शन पुणे के 22 कलाकार इंदौर जत्रा में प्रस्तुति देने आए हुए है। जत्रा के मंच से इंदौर में तीन दिन महाराष्ट्र एवं महाराष्ट्रीयन कल्चर का स्वरुप दिखाया जाएगा जिसमे लावणी के साथ विशेष प्रस्तुतिया जैसे आई चा गोंढल, विट्ठल रुक्मणि, स्वामी समर्थ एवं अन्य स्वरुप में कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

जत्रा में ठेठ गावठी व्यंजनों के स्टॉल सजे जत्रा में झुणका भाकर, बासुंदी, भरली वांगी ठेसा भाकर, आप्पे, ओल्या नारळाच्या करंज्या, अनारसे, साबुदाना वडा, पुराणपोळी, वड़ा पाव, मिसळ पाव, धपाटे, मराठमोळी, रासमालाई, मिक्स भाजीए, कढी गोळा, भरीत-भाकरी, चकली, मुंबई ची स्वादिष्ट भेळ, चिरोटे, श्रीखंड-पुरी, जिलेबी, भाकरवडी, चटपटा मसाला भात, शीतल पेय, सांबर वडी, वाटली दाळ, कोथंबीर वडी, धिरडे,(चिले) कलाकंद, मुंग हलवा जैसे व्यंजन गरमा गरम खाने को मिलेंगे साथ ही जत्रा में पहली बार कढ़ी कोड़ूले एवं मोदक ची भाजी भी शामिल की गयी है।



इंदौर आशीष कुमार खरे जिला न्यायालय के (उपसंचालक) बने खरे पूर्व में अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन, आर्थिक अपराध शाखा, व लोकायुक्त (अभियोजन) के पद पर रहने के बाद अब इंदौर जिला न्यायालय के उप संचालक बनने पर वी पी चौधरी ने बधाई दी

दो युवकों के बैंक खातों से उड़े 1. 60 लाख से अधिक रुपए, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर जिले में साइबर ठगों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। देहात थाना क्षेत्रों में साइबर ठगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

ताजा मामलों में सांवेर और बेटमा थाना क्षेत्रों से दो युवकों के बैंक खातों से साइबर अपराधियों द्वारा अनाधिकृत रूप से ऑनलाइन राशि निकाले जाने की सनसनीखेज घटनाएं सामने आई हैं। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सांवेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिमली निवासी हितेश (43 वर्ष) पिता रामपाल प्रजापति साइबर ठगी का शिकार हुए हैं। फरियादी हितेश को जब बैंक से मोबाइल पर मैसेज प्राप्त हुआ, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जांच में पता चला कि अज्ञात आरोपी ने बिना किसी अनुमति या ओटीपी के उनके बैंक खाते से बेहिमानी पूर्वक 1 लाख रुपए से अधिक की ऑनलाइन राशि पार कर दी है।

सूने मकानों के ताले तोड़ने वाली जादू गैंग का पर्दाफाश

इंदौर।

शहर में सूने मकानों और प्लैटों को निशाना बनाकर चंद मिनटों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाली एक बेहद शातिर नकबजन गैंग का तेजाजी नगर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गैंग के दो मुख्य आरोपियों सहित एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से चोरी गए सोने-चाँदी के आभूषण और वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल सहित करीब 2.50 लाख रुपये का मश्रूका बरामद किया गया है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

डीसीपी नरेंद्रसिंह रावत एव तेजाजी नगर थाना प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र मरकाम की टीम लगातार संदिग्धों पर नजर बनाए हुए थी।

इसी क्रम में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नायता मुंडला के आगे सनावदिया रोड पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति किसी बड़ी वारदात की नीयत से खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी कर अजय उर्फ जादू गिरवाल (30 वर्ष) - निवासी राजेंद्र नगर, गणेश पंवार (22 वर्ष) निवासी संजय गांधी नगर और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है।

रीडिंग
2.50 लाख के सोने-चाँदी के गहने

रेकी कर करते थे चोरी

आरोपी दिन के उजाले में घूम-घूमकर ऐसे मकानों और फ्लैटों की रेकी करते थे जहाँ ताला लगा होता था। मौका मिलते ही आरोपी ताला तोड़कर महज 5 से 10 मिनट के भीतर चोरी कर बाहर निकल आते थे।

बैंकअप प्लान वारदात के समय गैंग का एक सदस्य बाहर चालू मोटरसाइकिल पर निगरानी रखता था ताकि चोरी होते ही तीनों तुरंत फरार हो सकें।

दो बड़ी वारदातों का खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में चोरी की दो बड़ी वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

फेसबुक के विज्ञापन ने बना दिया कंगाल

वॉटर पार्क संचालक को शेयर मार्केट में 29 लाख मुनाफे का झांसा देकर 8.59 लाख ठगे, फिर मांगे 18 लाख

इंदौर।

हीरानगर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां फेसबुक पर शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर शातिर ठगों ने एक वॉटर पार्क संचालक को अपनी जालसाजी का शिकार बना लिया। आरोपियों ने पहले निवेश के नाम पर अलग-अलग किस्तों में 8.59 लाख रुपए ऐंठे, फिर फर्जी ट्रेडिंग ऐप पर 29 लाख रुपए का मुनाफा दिखाकर आईपीओ के नाम पर 18 लाख रुपए की और मांग की। जब पीड़ित ने पड़ताल की तो ठगी का खुलासा हुआ, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रितेश कुमार निमाड़े, जो कि एक वॉटर पार्क का संचालन करते हैं, ने गत 12 अगस्त को फेसबुक पर स्टॉक मार्केट से जुड़ा एक लुभावना विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दी गई लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें 993% नाम के एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में ग्रुप्स के नाम से शेयर बाजार की फर्जी टिप्स और कॉल्स दी जाने लगीं।

ग्रुप से जुड़ने के बाद ठगों ने रितेश से उनका आधार कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे। आवेदन के सत्यापन के नाम पर वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल की गई, जिसमें खुद को वंशिका बताने वाली एक महिला ने बात की। महिला ने सभी जानकारियों की पुष्टि करने का नाटक किया और दो दिन के भीतर उनका ट्रेडिंग अकाउंट चालू होने का भरोसा दिलाया। 18 अगस्त को दोबारा फोन कर फरियादी को बताया गया कि कंपनी द्वारा उनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद 25 अगस्त से कथित वंशिका के निर्देशानुसार ऑनलाइन ट्रेडिंग शुरू हुई। इस दौरान रितेश ने झांसे में आकर कुल 8 लाख 59 हजार रुपए अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए जमा कर दिए। ठगों द्वारा संचालित उस फर्जी ग्रुप और ऐप पर रितेश के खाते का मुनाफा 29 लाख रुपए तक दिखाया जाने लगा।लालच का दायरा बढ़ाते हुए 10 सितंबर को ग्रुप पर मैसेज आया कि कार्बन स्टील इंजीनियरिंग लिमिटेड का आईपीओ आने वाला है। उन्हें महज 51 रुपए प्रति शेयर की कम कीमत पर शेयर दिलाने का झांसा दिया गया। 12 सितंबर को जब आईपीओ खुला तो रितेश के ट्रेडिंग अकाउंट में 47 लाख रुपए मूल्य के 92 हजार शेयर आवॉटित होना दिखाए गए।

कमिश्नर ऑफिस में परिजनों ने दी खुदकुशी की चेतावनी

इंदौर।

बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाले युवक द्वारा खजराना क्षेत्र में जहर खाकर की गई आत्महत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक के परिजनों और स्थानीय निवासियों ने शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोपी युवती के खिलाफ पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने पर आक्रोश जताते हुए चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला और नामजद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, तो वे भी सामूहिक रूप से अपनी जान दे देंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार उच्च अधिकारियों ने परिजनों को शांत कराते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई के लिए खजराना थाने रवाना किया है।

बाणगंगा मेन रोड निवासी 24 वर्षीय चिराग सेन ने बीते रविवार की रात खजराना थाना क्षेत्र में अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार रात को उसकी मौत हो गई। मृतक चिराग सेन के परिजनों का स्पष्ट आरोप है कि चिराग की महिला मित्र निशा उसे लंबे समय से लगातार प्रताड़ित कर रही थी। निशा द्वारा बनाए जा रहे मानसिक दबाव और उत्पीड़न से तंग आकर ही चिराग ने यह खौफनाक व आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने निशा पर आत्महत्या के लिए उकसाने का सीधा आरोप लगाया है। परिजनों और क्षेत्रवासियों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा था। उन्होंने वृंदावन कॉलोनी के बाहर मुख्य सड़क पर चक्काजाम कर जोरदार नारेबाजी और प्रदर्शन किया था।

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान बड़ा खुलासा

रेड लाइट जंप करने वाले के पास छड़ी में छिपी मिली धारदार गुप्ती

इंदौर।

शहर के प्रमुख पलासिया चौराहे पर यातायात पुलिस की चेकिंग के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया जिसने सबको चौंका दिया। रेड लाइट जंप करने पर रोके गए एक दोपहिया वाहन चालक के पास से सामान्य दिखने वाली छड़ी के भीतर छिपाकर रखी गई एक खतरनाक और धारदार गुप्ती बरामद की गई है। पुलिस की पैनी नजर और सतर्कता के चलते एक संभावित बड़ी वारदात या खतरा टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना उस समय की है जब पलासिया चौराहे पर यातायात पुलिस नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वाहन चालक शेख जावेद ने नियमों को ताक पर रखते हुए रेड लाइट जंप कर दी। चौराहे पर तैनात यातायात कर्मियों ने उसे तुरंत रोक लिया। पूछताछ और कागजातों की जांच के दौरान पुलिस को उसकी संदिग्ध गतिविधियों पर शक हुआ।



चालक के पास एक छड़ी मौजूद थी, जिसे लेकर पुलिस ने बारीकी से पड़ताल की।

जब उस छड़ी की तलाशी ली गई, तो उसके अंदर से एक छुपी हुई धारदार गुप्ती निकल आई। हथियार के संबंध में जब वाहन चालक से वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब मांगा गया, तो वह पूरी तरह से असमर्थ नजर आया और कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका।

मामले की गंभीरता को देखते हुए यातायात निरीक्षक राधा यादव ने तुरंत इसकी सूचना ट्रैफिक कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही यातायात प्रधान आरक्षक मुकेश लश्करी, आरक्षक कृष्णकांत और स्थानीय पलासिया थाने की बीट टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी शेख जावेद को हिरासत में लेते हुए उसकी गुप्ती और दोपहिया वाहन को जब्त कर लिया। इसके बाद उसे पलासिया थाने लाया गया, जहां आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई।

यातायात निरीक्षक राधा यादव ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि शहर में नागरिकों की सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए प्रमुख चौराहों पर लगातार विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पलासिया चौराहे पर हुई इस कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि ट्रैफिक चेकिंग सिर्फ नियमों के उल्लंघन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहर की सुरक्षा व्यवस्था में भी अहम भूमिका निभा रही है।



इंदौर पोलियो रोकथाम दिवस पर रीगल चौराहे पर रोटरी क्लब ऑफ इंदौर द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर पोलियो को खत्म करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया।

किशनगंज थाना क्षेत्र में खौफनाक वारदात

सुहाग ने ही मिटाई सुहाग की मांग, पत्नी ने मोगरी से कुचलकर की पति की हत्या

इंदौर।

शहर के किशनगंज थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। विश्वास नगर इलाके में एक हंसते-खेलते परिवार का खौफनाक अंत हो गया, जहां एक पत्नी ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया। शराब के नशे में आए दिन की प्रताड़ना और घरेलू हिंसा से तंग आकर महिला ने ऐसा खौफनाक कदम उठाया कि हर कोई सन्न रह गया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

किशनगंज थाने के टीआई अमित कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से धार जिले के मनावर की रहने वाली 28 वर्षीय सपना अपने पति कालू के साथ किशनगंज थाना क्षेत्र के विश्वास नगर क्षेत्र में रहकर मजदूरी का काम करती थी। दोनों अपनी आजीविका चलाने के लिए कड़ी मेहनत करते थे, लेकिन उनके वैवाहिक जीवन में कलह घर कर चुकी थी। जांच अधिकारी उप निरीक्षक प्रशांत उपाध्याय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मृतका का पति कालू शराब पीने का आदी था। वह आए दिन शराब के नशे में धुत होकर सपना के साथ मारपीट करता था। लगातार हो रहे शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न से सपना अंदर ही अंदर घुट रही थी। बीती 18 अक्टूबर को एक बार फिर कालू शराब के नशे में घर पहुंचा और किसी बात को लेकर सपना के साथ जमकर मारपीट की। आए दिन के क्लेश और उस दिन के गुस्से से बेकाबू हो चुकी सपना का सब्र का बांध आखिरकार टूट गया।

मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय में पूज्य इंद्रेश जी महाराज का भव्य आगमन

इंदौर । मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय में प्रख्यात कथावाचक एवं प्रेरक पूज्य इंद्रेश जी महाराज का भव्य और गरिमामय आगमन हुआ। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष युवा संवाद कार्यक्रम 'जेन-ॅ चर्चा' के दौरान महाराज श्री ने छात्र-छात्राओं से अध्यात्म, देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और जीवन के शाश्वत मूल्यों पर आत्मीय एवं प्रेरणादायी संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण परिसर भक्ति रस और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महाराज श्री ने कहा कि जीवन में व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर किसी बड़े और पवित्र उद्देश्य के प्रति समर्पण का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाना चाहिए तथा देश के संसाधनों, अन्न और पर्यावरण का सदैव सम्मान करना चाहिए।'

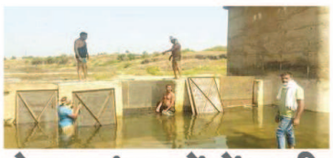
जीवन के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह संसार एक महाभारत की तरह है, जहाँ हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत



लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे में जो प्राप्त है उसे सहर्ष स्वीकार करना सीखें और ठाकुर जी पर अटूट विश्वास बनाए रखें। युवाओं को अपनी शक्ति और विवेक के सदुपयोग की प्रेरणा देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान श्रीराम का बल सदैव रक्षा और जनकल्याण करता है, जबकि रावण का बल केवल विनाश का कारण बनता है।

कार्यक्रम का समापन अत्यंत उल्लासपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय एवं भक्ति संगीत के उपरांत पूज्य इंद्रेश जी महाराज ने स्वयं भावविभोर होकर मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। महाराज श्री के भजनों पर विद्यार्थी, प्राध्यापक और विश्वविद्यालय प्रबंधन के सदस्य अजीत, आदित्य, स्पर्श और गरिमा प्रमुख रूप से तैयारियों की जिम्मेदारी संभाल कर इस दिव्य कार्यक्रम को अपनी टीम के साथ रात दिन के प्रयास से सफल बनाया

भक्ति भाव से झूमते और नृत्य करते नजर आए। इस आध्यात्मिक आयोजन ने युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का नया संचार किया।



डेम एवं नालों में पानी रोकने का कार्य प्रारंभ

बुरहानपुर। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत हरदा, खकनार कलां, मांजरोद, सारोला, देवरीमाल, रामाखेड़ा कला आदि क्षेत्र अंतर्गत निर्मित स्टॉप डेम एवं बहते हुए नालों में पानी रोकने का कार्य किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार अभियान अंतर्गत स्टॉप डेम एवं नालों में उपलब्ध जल के अनावश्यक बहाव को रोकने के उद्देश्य से आवश्यक स्थानों पर गेट लगाने, जल निकासी मार्गों को बंद करने तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल अवरोधन की व्यवस्था की गयी, ताकि जल का संचयन सुनिश्चित किया जा सके।स्टॉप डेम एवं नालों में जल रोकने से आसपास के क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही किसानों को रबी फसलों की सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध होने की संभावना बढ़ेगी। इससे क्षेत्र के कुओं, ट्यूबवेल एवं अन्य जलस्रोतों के जलस्तर को बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकना, उपलब्ध जल संरचनाओं की उपयोगिता बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता को लंबे समय तक बनाए रखना

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत चिड़ावद में उद्योग संवाद का आयोजन

विधायक सोनकर, कलेक्टर, एसपी गेहलोद और जिला पंचायत सीईओ धुर्वे ने की चर्चा

महिलाओं द्वारा संचालित खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती एवं अन्य लघु उद्योगों के विस्तार पर भी हुआ विचार-विमर्श

देवास। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत टोंकखुर्द विकासखंड के ग्राम चिड़ावद में उद्योग संवाद का आयोजन किया गया। विधायक डॉ. राजेश सोनकर, प्रभारी कलेक्टर दलीप कुमार, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीत कुमार धुर्वे की उपस्थिति में आयोजित उद्योग संवाद में उद्योगपतियों, स्थानीय उद्यमियों तथा स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों ने सहभागिता की।



कार्यक्रम में क्षेत्र के औद्योगिक विकास, निवेश को प्रोत्साहन, स्वरोजगार के अवसरों के विस्तार तथा स्थानीय उद्योगों के संचालन में आ रही समस्याओं के निराकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। संवाद के दौरान महिलाओं द्वारा संचालित स्वरोजगार गतिविधियों, खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती एवं अन्य लघु उद्योगों के विस्तार की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने उद्यमियों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्योग संवाद के दौरान मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएमएफएमई सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 14 हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 59 लाख 78 हजार रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

जिसमें देवकरण पटेल को 24 लाख रुपये, मेघा राजपूत को 5 लाख 30 हजार रुपये, करण खगोड़ा को 6 लाख 12 हजार रुपये, सदुरु स्व-सहायता समूह को 6 लाख रुपये, विशेष मंडलोई को 48 लाख 50 हजार रुपये, मां काली टेंट हाउस को 7 लाख रुपये, सागर सिंह को 7 लाख 50 हजार रुपये, कुणाल हाड़ा को 7 लाख 5 हजार रुपये, धर्मेंद्र फेरीवाला को 2 लाख 36 हजार रुपये, सतीश चौधरी को 9 लाख 5 हजार रुपये, रामचंद्र सिरोलिया को 10 लाख रुपये, मनोहर मंडलोई को 13 लाख रुपये, मंडलोई दूध डेयरी को 5 लाख रुपये, अनिल सिंह राजपूत को 8 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। उद्योग संवाद में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने स्व-सहायता समूहों से जुड़ने के बाद अपने जीवन में आए आर्थिक एवं सामाजिक बदलावों की प्रेरक कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम में डीएफओ अमित सिंह, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, स्थानीय उद्यमी एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

शरद पूर्णिमा पर गौतम आश्रम में दमा एवं श्वांस की औषधि का वितरण

देवास। शरद पूर्णिमा के अवसर पर गौतमाश्रम पर गुर्जर गौड़ नगर सभा एवं महर्षि गौतम सेवा ट्रस्ट के सहयोग से दमा, श्वांस एवं एलर्जी की दिव्य औषधि का निशुल्क वितरण आज रविवार को दूध के साथ रात्रि 9 बजे से गौतमाश्रम त्रिवेणी नगर उज्जैन रोड पर किया जाएगा। वरिष्ठ आयुर्वेद वैद्य सुरेश व्यास ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा की किरणों के साथ अमृत की वर्षा होती है, जब दिव्य औषधि मिश्रित खीर में यह अमृतमयी चंद्र किरणें मिलती है तो यह असाध्य एवं कष्टदायी दमा-श्वांस एवं एलर्जी से होने वाली बार बार की कष्टदायक सर्दी खांसी में चमत्कारिक लाभ पहुंचाती है। वैद्य व्यास ने बताया कि आज रविवार को शाम 4 बजे से दमा, श्वांस एवं एलर्जी के रोगियों का नि शुल्क परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श आरोग्य लिया जा सकता है। शरद पूर्णिमा को रात्रि में दूध के साथ दिव्य औषधि प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ ले एवं महिला सभा द्वारा गरबा कार्यक्रम शाम 7 बजे होगा।

बिना लायसेंस के संचालित कम्पनी को नगर निगम ने किया सील

देवास। निगम सीमा अन्तर्गत एबी रोड पर स्थित कालानीबाग में संचालित ब्लॉक कामर्स कम्पनी प्रा.लि.जो कि कम्पनी के द्वारा बिना लायसेंस व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। निगमायुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम की टीम द्वारा बिना लायसेंस के संचालित कम्पनी ब्लॉक कामर्स कम्पनी को सील किया।



उल्लेखनीय है कि निगम सीमा क्षेत्र में संचालित व्यवसाय हेतु निगम का लायसेंस लेना अनिवार्य है। बिना लायसेंस के व्यवसाय करने पर निगम द्वारा चालानी कार्रवाई कर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सील करने हेतु निगम आयुक्त ने निर्देश दिए है। निगम मुख्य स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार ने बताया कि कम्पनी के सुपर वाईजर को गत दिनों सूचना देकर लायसेंस बनवाये जाने हेतु कहा गया था किन्तु दी गई समयावधि मे कम्पनी द्वारा लायसेंस नही बनवाया गया। बिना लायसेंस व्यवसाय करने पर कम्पनी पर 92 हजार की चालानी कार्रवाई की गई। जिसमें ट्रेड लायसेंस शुल्क 11 हजार 4 सौ साठ, कचरा संग्रहण शुल्क 67 हजार 5 सौ, सिवरेज शुल्क 3 हजार 175 एवं 10 हजार की चालानी कार्रवाई की गई। कम्पनी द्वारा 92 हजार का शुल्क जमा करने पर निगम की टीम के द्वारा कम्पनी को अपना व्यसाय संचालित करने हेतु कहा।

फील्ड में रहकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें : कलेक्टर कुमार

बुरहानपुर। कलेक्टर विवेक कुमार ने शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों की बैठक लेकर स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के तहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निवर्हन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कुमार ने कहा कि स्वामित्व योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका क्रियान्वयन अभियान के रूप में किया जा रहा है। व्यवस्थित कार्य-योजना बनाकर निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य किया जाये। बैठक में कलेक्टर विवेक कुमार ने पटवारियों से वन-टू-वन चर्चा कर कार्यों एवं प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यशैली में सुधार लाते हुए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में रहकर कार्यों की मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति की लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में अन्य आवश्यक बिन्दुओं पर भी दिशा-निर्देश प्रेषित किये। बैठक में एसडीएम बुरहानपुर एवं नेपानगर सहित राजस्व अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।





मोबाइल चोरी करने वाले सात आरोपी गिरफ्तार

1.60 लाख के 6 स्मार्टफोन जब्त

देवास। माताजी के मुख्य चल समारोह में श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी करने वाले संगठित गिरोह का देवास पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1 लाख 60 हजार रुपए कीमत के छह एंड्रॉइड स्मार्टफोन जब्त किए हैं। इस कार्रवाई में मोबाइल चोरी की छह घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देश पर संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम और आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की। माताजी के चल समारोह के दौरान मोबाइल चोरी की शिकायतें मिलने पर पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्रम् के तहत सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान कर गिरोह को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में नीलेश पिता संजू सोलंकी (20), निखिल पिता विक्की सोलंकी (19), निवासी देवास तथा राज पिता जया सोलंकी (20), जयसूर्या पिता सोहन पवार (19), भगत पिता मंगल सोलंकी (19), युवराज पिता भुरिया सोलंकी (19) और नीलछाम पिता राजू सोलंकी (18), निवासी उज्जैन शामिल हैं।



शाजापुर अनुभाग के पटाखा व्यापारियों की बैठक संपन्न

शाजापुर। आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आज अनुविभागीय दण्डाधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले की अध्यक्षता में अनुभाग स्तर पर शाजापुर के पटाखा व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुविभागीय दण्डाधिकारी सुश्री वास्कले द्वारा पटाखा बिक्री, भंडारण और सुरक्षा मानकों को लेकर पटाखा व्यवसायियों को अनिवार्य नियम एवं दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया।

उन्होंने अवगत कराते हुए कहा कि सभी पटाखा व्यापारियों को केवल प्रशासन द्वारा चयनित और आवंटित किए गए सुरक्षित स्थलों पर ही अपनी दुकानें लगाने की अनुमति होगी। किसी भी रिहायशी इलाके, व्यस्त बाजार या सड़क किनारे अनाधिकृत रूप से अस्थायी दुकान लगाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। पटाखा दुकानों का निर्माण निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप केवल टीन शेड के माध्यम से ही किया जाएगा। दुकानों में ज्वलनशील कपड़े, प्लास्टिक या अन्य आग पकड़ने वाली सामग्री का उपयोग पूरी तरह वर्जित रहेगा। प्रत्येक पटाखा दुकान पर पर्याप्त क्षमता के अग्निशमन यंत्र और रेत एवं पानी से भरी बाल्टियों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखनी होगी। केवल वैध पटाखा लाइसेंस धारक व्यापारी ही दुकान लगा सकेंगे। बिना वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के आतिशबाजी का क्रय-विक्रय या अवैध भंडारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

27 से 31 अक्टूबर तक संचालित होगी गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना

झाबुआ। जिले के तीन वृंदावन ग्रामों—कल्याणपुरा, नोगावां एवं रायपुरिया में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने, उन्नत देशी गौवंश के पालन को बढ़ावा देने तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना का क्रियान्वयन 27 से 31 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादन करने वाली गिर, साहीवाल, थारपारकर, मालवी एवं अन्य उन्नत अधिसूचित स्वदेशी नस्लों की गायों की पहचान कर उनके पालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। इससे पशुपालकों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होने के साथ देशी गौवंश के पालन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रतियोगिता में संबंधित वृंदावन ग्राम के निवासी सभी वर्गों के पशुपालक भाग ले सकेंगे। ऐसे पशुपालक, जिनके पास गिर, साहीवाल, थारपारकर, मालवी अथवा अन्य उन्नत अधिसूचित स्वदेशी नस्ल की गाय हो तथा उसका दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 6 लीटर या उससे अधिक हो, प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए पात्र होंगे। पात्र पशुपालकों का पंजीयन नजदीकी पशु चिकित्सा संस्था में किया जाएगा।

एसडीएम ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर शिविरों का निरीक्षण किया

खण्डवा। स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि में अधिकार अभिलेख तैयार किये जा रहे हैं। इस योजना के तहत पंजीयन के लिए नागरिकों से स्टाम्प ड्यूटी अथवा पंजीयन शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इसकी संपूर्ण राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है। राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति का सुदृढ़ दस्तावेजी अधिकार देने के साथ वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए निर्मित निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन किया जा रहा है ताकि पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें। इस प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि इन शिविरों के आयोजन की तिथि और स्थान का व्यापक प्रचार प्रसार करें।

कोटवारों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, मांगों को लेकर धरने पर डटे

देवास। मध्यप्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेशभर के लगभग 38 हजार कोटवार अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल एवं धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में देवास जिले के कोटवार भी एबी रोड स्थित मंडूक पुष्कर धरना स्थल पर धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। संघ के जिलाध्यक्ष अम्बाराम मालवीय ने बताया कि 24 अक्टूबर को हड़ताल का तीसरा दिन रहा। कोटवार अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल पर डटे हुए हैं तथा शासन से शीघ्र मांगें पूरी करने की मांग कर रहे हैं। संघ द्वारा आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए 28 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। देवास में भी मंडूक पुष्कर धरना स्थल से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली जाएगी तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कोटवारों की समस्याओं के निराकरण की मांग की जाएगी। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 30 अक्टूबर से भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। कोटवार संघ द्वारा कोटवारों को नियमित शासकीय कर्मचारी घोषित करने, सेवा भूमि का मालिकाना हक प्रदान करने, कोटवार वर्दी की राशि पूर्व की तरह कोटवारों के खाते के माध्यम से भुगतान करने अथवा भूमि के अभिलेखों में नाम दर्ज करने की मांग की जा रही है। इसके साथ ही पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार वेतन में प्रतिवर्ष 500 रुपए की वृद्धि लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। संघ का कहना है कि सेवाकाल के दौरान किसी कोटवार की मृत्यु होने पर उसके आश्रित परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के साथ ही परिवार के पात्र सदस्य को नौकरी प्रदान की जाए, ताकि संकट की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। धरना स्थल पर कोटवारों ने शासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निराकरण करने की अपील की। इस दौरान मोहनलाल रजापुर, पुरुषोत्तमदास, चंदर, मोहन वर्मा, गोविंद, नागुसिंह पचलानिया, राजेश बघेल, प्रकाश, राजेश मालवीय, अशोक, शंकरलाल धोलपुरिया, नर्मदा प्रसाद बोहरे और ओमप्रकाश मालवीय सहित जिले के बड़ी संख्या में कोटवार उपस्थित थे।



»न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने सात आरोपियों का निकाला जुलूस



उज्जैन। अलग-अलग अपराधों के मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। नीलगंगा और जीवाजीगंज थाना पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के बाद उनका जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिसकर्मी आरोपियों की पिटाई करते हुए भी नजर आए। नीलगंगा में शराब पीकर हंगामा कर रहे युवकों को समझाने पहुंचे पुलिसकर्मियों से झूमाझटकी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, जीवाजीगंज में रंगदारी और मारपीट के आरोपी को पकड़ा गया, जिसकी सात वारंटों में तलाश थी। दूसरी ओर, पंवासा पुलिस ने मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर दो लोहे की रॉड और बांस का डंडा जब्त किया। पुलिस ने शनिवार शाम 7 बजे इन कार्रवाइयों की जानकारी दी।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा में अभ्यार्थी को शार्टकट अपनाना भारी पड़ा

उज्जैन। वन रक्षक बनने के लिए 25 किलोमीटर पैदल चलने की परीक्षा दे रहे एक अभ्यर्थी ने मंजिल तक पहुंचने के लिए ऐसा शॉर्टकट अपनाया कि भर्ती प्रक्रिया से ही बाहर हो गया। चार घंटे में पैदल चाल पूरी करनी थी, लेकिन अभ्यर्थी ने रास्ते में बाइक सवार से लिफ्ट ले ली। बाइक पर बैठकर वह आगे निकल गया। टीम ने वीडियो बनाया और डीएफओ तक पहुंचाया। जांच में पहचान सामने आते ही चयन समिति ने उसे अयोग्य घोषित कर दिया। इसमें अभ्यर्थियों को 25 किलोमीटर की दूरी चार घंटे में पूरी करनी थी। इसी दौरान चेस्ट नंबर 282 वाला अभ्यर्थी रविंद्र शर्मा पैदल चलने के बजाय सड़क से गुजर रहे बाइक सवार के साथ बैठकर आगे बढ़ गया। भर्ती की इस अहम परीक्षा में उसने नियमों को दरकिनार कर दूरी पूरी करने का रास्ता चुना। रविंद्र ने बाइक पर बैठते समय मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। वह अपनी पहचान छिपाना चाहता था, लेकिन अभ्यर्थियों के पीछे चल रही वन विभाग की टीम की नजर उस पर पड़ गई। टीम ने बाइक पर जाते अभ्यर्थी का वीडियो बनाया और डीएफओ अनुराग तिवारी को भेज दिया। इसके बाद चेस्ट नंबर के आधार पर जांच की गई। बाइक पर बैठकर आगे जाने वाला अभ्यर्थी रविंद्र शर्मा निकला। पहचान स्पष्ट होने के बाद चयन समिति ने कार्रवाई करते हुए उसे अयोग्य घोषित कर दिया।

करवा चौथ: शुक्र तारा अस्त होने से नवविवाहितों के व्रत पर असमंजस

उज्जैन।

करवा चौथ पर इस बार शुक्र तारा अस्त होने से नवविवाहिताएं यह व्रत नहीं कर सकेंगी। शुक्र अस्त होने के दौरान शुभ काम वर्जित रहते हैं। ऐसे में इस बार नवविवाहिताओं को करवा चौथ व्रत नहीं करना चाहिए। मांगलिक कार्यों में शुक्र और गुरु के उदय-अस्त को देखा जाता है। उदय होने पर मांगलिक काम किए जा सकते हैं परंतु अस्त होने पर यह वर्जित रहते हैं। ऐसे में शुभ फल मिलने की संभावना भी नहीं होती। ऐसे में धर्म के जानकार अलग-अलग तर्क दे रहे हैं।



पूर्व की विवाहिताएं यह व्रत कर सकती हैं, नवविवाहिताओं को यानी जिनका विवाह इसी साल हुआ है या जिनका यह पहला करवा चौथ है,उनको इस बार व्रत से बचना चाहिए, क्योंकि मान्यताओं है कि शुक्र अस्त होन पर ना तो कोई व्रत किया जा सकता है, ना ही किसी व्रत का उद्यापन होता है।

करवा चौथ का प्रचलन फिल्मों से शुरू हुआ है। व्रत की प्रासंगिकता अभी देखने को मिल रही है। हालांकि शुक्र तो गुरुवार (29 अक्टूबर) को सुबह ही उदय हो जाएगा ऐसे में नवविवाहित कन्याएं भी यह व्रत ले सकती हैं। यह सिर्फ एक प्रकार की भ्रांति है कि इस बार व्रत लेना सही नहीं रहेगा। व्रत एक शुभ कार्य है और शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखा जाता। पुराणों में बताया है कि शुक्र और गुरु अस्त होने पर शुभ कार्य करना सही नहीं है। चूंकि करवा चौथ का व्रत शुभ कार्य है। संयोग से करवा चौथ पर शुक्र अस्त की स्थिति है। ऐसे में वह नवविवाहिताएं जो पहली बार करवा चौथ व्रत कर रही हैं उनको सलाह है कि वे इस साल छोड़कर अगले साल से व्रत करें।

शुक्र अस्त जरूर है मगर ऐसा नहीं है कि करवा चौथ व्रत करना शुभ फलदायी नहीं होगा। यह व्रत हमारी परंपराओं में नहीं है। यह सोशल मीडिया से निकला ट्रेंड है। जो व्यापार का प्रोपेगंडा है। इसे मान्यताओं से जोड़ दिया है, वरना ऐसा कहां लिखा है कि भक्ति के लिए मुहूर्त देखा जाना जरूरी है। इस लिए भ्रम में नहीं आएं और जो चलता आ रहा है, उसे चलने दें।

भद्रा को लेकर असमंजस

करवा चौथ वाले दिन भद्रा का संशय भी है। हालांकि कथावाचक पं. धीरज कृष्ण शर्मा ने कहा कि कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर किसी भी प्रकार की भद्रा नहीं मानी जाती है। ऐसे में अफवाहों पर ध्यान नहीं दें।

मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन निवेश एवं निर्यात मार्गदर्शिका का विमोचन

प्रदेश का मत्स्य उत्पादन हम जल्द से जल्द दोगुना कर देंगे

उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 में यह प्रावधान किया है कि प्रदेश का मत्स्य उत्पादन हम जल्द से जल्द दोगुना कर देंगे। इससे मत्स्य उत्पादकों, विक्रेताओं, मत्स्य परिवहनकर्ताओं और मछली पालन से जुड़े सभी मत्स्यपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार मध्यप्रदेश में नई नीली क्रांति लाने के लिए तैयार है। मप्र की जल सम्पदा को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर हम मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के मामले में देश का अग्रणी केन्द्र बनाएंगे।

मध्यप्रदेश में उपलब्ध अथाह जलराशि का बेहतर सप्रबंधन कर जलचरों का संरक्षण भी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां कई बड़ी जल संरचनाएं मौजूद हैं। मध्यप्रदेश में उपलब्ध जल स्त्रोतों को बहु आय जलस्रोत बनाने जा रहे हैं। एक जल स्त्रोत से लोगों को पीने का पानी, किसानों को खेती के लिए पानी, पशुपालकों को पशुओं के लिए पानी, मछली उत्पादन, जल पर्यटन सहित जलीय जीवों को भी संरक्षण मिलता है। किसानों और मत्स्य पालकों दोनों की आर्थिक स्थिति हालत सुधारने के लिए राज्य सरकार इस दिशा में ठोस काम कर रही है। मुख्यमंत्री को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित नेशनल फिशरीज् इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कान्क्लेव-2026 में आए प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। मत्स्य उत्पादकों एवं निवेशकों को सभी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लागू एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत मत्स्य उद्योग के विस्तार के लिए निवेशकों को भूमि आवंटन, तकनीकी मदद और अन्य कई प्रकार की सुविधाएं दी जाएंगी। कॉन्क्लेव में अतिथियों द्वारा मध्यप्रदेश मत्स्य पालन निवेश एवं निर्यात मार्गदर्शिका 2026 के अलावा एक्सपोर्ट पोर्टल की एसओपी का विमोचन किया गया।



प्रदेश में 1 लाख नए केज कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई नीति अंतर्गत प्रदेश में 1 लाख नए केज कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य लिया है। प्रदेश के संरक्षित वन क्षेत्रों में भी बड़े तालाब निर्मित करेंगे, ताकि वन्य जीवों के साथ-साथ इन तालाबों का लाभ मत्स्यपालकों को भी मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल के साथ इस कॉन्क्लेव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन उद्योग को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत मछली उत्पादन के बाद इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, मार्केटिंग संबंधी अन्य सभी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकीकृत मत्स्योद्योग को एमएसएमई इंडस्ट्री से जोड़कर सभी प्रकार के प्रोत्साहन और इन्सेंटिव भी दिया जाएगा।

शहर में 317.88 किमी सीवर लाइन बिछाई

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर उज्जैन शहर में सीवरेज का काम तेजी से चल रहा है। फेज वन में 445.17 किलोमीटर में से लगभग 317.58 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाया जा चुका है। साथ ही 11213 मेनहोल, 105808 हाउस सर्विस चैंबर और 8373 हाउस कनेक्शन पूर्ण कर लिए गए हैं। राइजिंग मेन लाइन बिछाने का काम भी तेजी से चल रहा है, 2.5 किलोमीटर लाइन बिछाई जा चुकी है। यही नहीं सड़कों के रेस्टोरेशन का काम भी चल रहा है, 294.79 किलोमीटर सड़क ठीक कर दी गई है। नगर निगम आयुक्त ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अमृत मिशन 2.0 के तहत स्वीकृत किए गए सीवरेज के कार्यों में शहर में 68 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके तहत डेढ़ सौ किलोमीटर सीवर नेटवर्क हाउस कनेक्शन सहित कमीशन किया जा चुका है। चकोर पार्क स्तिथ एक पंपिंग स्टेशन को छोड़कर सभी संरचनात्मक कार्य पूर्ण हो चुके हैं। परियोजना में 6 झोन शामिल है। इसमें से एक का कार्य पूर्ण हो चुका है। जबकि झोन 1,2, 5, 6 के कार्य पूर्णता के निकट है। सीवरेज के कार्य में 200 मिलीमीटर से 800 मिमी व्यास की 445 किलोमीटर लाइन बिछाना तथा 18516 प्रीकास्ट मेन होल बनाना शामिल है।



सिविल अस्पताल महिदपुर का किया निरीक्षण

यू-विन पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि करने के दिए निर्देश

उज्जैन।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी के निर्देशन में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचाने के उद्देश्य से 23 अक्टूबर 2026 को जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह राजपूत एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार पाल द्वारा सिविल अस्पताल महिदपुर का संयुक्त निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा अस्पताल की नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनबीएसयू), प्रसवोत्तर वार्ड (पीएनसी वार्ड), पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) एवं वार्ड क्रमांक 16 में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) सत्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं संचालन की स्थिति का जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने तथा शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने यू-विन पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण से संबंधित जानकारी की शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियाँ पोर्टल पर समय पर दर्ज की जाएँ, ताकि हितग्राहियों को निर्धारित समय पर टीकाकरण सेवाओं का लाभ मिल सके और अभिलेख अद्यतन रहें।

तीन बत्ती चौराहा चौड़ीकरण की तैयारी तेज

रेड मार्किंग के बाद प्लान जमीन पर उतरने का इंतजार

उज्जैन।

तीन बत्ती चौराहा जो किसी जमाने में नगर निगम का चुंगी नाका हुआ करता था, वह अब शहर का सबसे न्यारा चौराहा बनने जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ने चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों और दुकानों पर रेड मार्किंग कर दी है। जल्द ही प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारा जाएगा। इससे व्यापारियों में हलचल मची हुई है। कुछ लोग इसे शहर विकास के लिए बता रहे तो प्रभावित व्यापारी इससे चिंतित हो गए हैं। हालांकि अभी किसी को नोटिस जारी नहीं किए गए हैं।

तीन बत्ती चौराहा 70 के दशक में अस्तित्व में आया था। बाद में नगर निगम का यहां चुंगी नाका बना था, जहां बसों से यात्री कर लिया जाता था। कई लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं, लेकिन पुराने समय के लोग इसे अच्छी तरह से जानते हैं। बहरहाल, निगम ने इसे चौड़ा कर शहर का सबसे सुंदर और ट्रैफिक के हिसाब से सुगम चौराहा बनाने की योजना बनाई है। हालांकि अभी किसी को भी नोटिस नहीं दिए गए हैं लेकिन इससे व्यापारियों में हलचल मची हुई है। जिनकी दुकानें हैं वे चाहते हैं चौड़ाई कम की जाए, जिससे उन्हें भी नुकसान न हो या मार्केट दर पर मुआवजा दिया जाए। इस सिलसिले में वे निगम के जा प्रतिनिधियों और अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। निगम अधिकारी भी प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। महापौर मुकेश टटवाल ने इस संबंध में बात की है। कम से कम नुकसान कर सौंदर्यीकरण करने का कहा है।



संत बालीनाथ की प्रतिमा आइलैंड में शामिल होगी

चौराहे पर संत बालीनाथ जी की प्रतिमा है। निगम अधिकारियों के अनुसार प्रतिमा को आइलैंड में शामिल किया जाएगा, जिससे लेफ्ट टर्न निकल जाएगा और प्रतिमा यथावत रहेगी। चौड़ीकरण में दो हनुमान व शीतलामाता मंदिर भी प्रभावित होंगे। सात साल पहले भी बना था प्रोजेक्ट - स्मार्ट सिटी के तहत सात साल पहले चौराहा सौंदर्यीकरण का प्रोजेक्ट बना था। बाद में यह फाइल में कैद हो गया। अब निगम प्रशासन ने पहली बार भवनों पर निशान लगाए हैं।

उज्जैन के खेतों की प्यास बुजाएगा नर्मदा का जल

उज्जैन। इस साल कम बारिश के चलते सिंचाई के लिए पानी की चिंता कर रहे किसानों को जल्द राहत मिलने वाली है। तराना सिंचाई परियोजना के माध्यम से 1 नवंबर से किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना के शुरू होने से उज्जैन जिले के तराना, घट्टिया और देवास जिले के आसपास के कुछ क्षेत्रों में खेती को फायदा मिलने की उम्मीद है। योजना के तहत 30 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। सांसद अनिल फिरोजिया ने पाइपलाइन के जरिए पानी छोड़ने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। कम बारिश के कारण क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को देखते हुए इस बार परियोजना के तहत तालाबों को भरने का काम तय समय से पहले शुरू किया गया है। आमतौर पर फरवरी में होने वाली इस प्रक्रिया को अक्टूबर में ही प्रारंभ कर दिया गया है। फिलहाल मुख्य पाइपलाइन में पानी भरने के साथ तालाबों तक जल पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। इससे सिंचाई के अलावा स्थानीय क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बेहतर बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री देवराज पटेल के अनुसार, फिलहाल एक वाल्व के माध्यम से करीब एक क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। जल्द ही दूसरा वाल्व खोलकर जल प्रवाह को लगभग दो क्यूमेक तक बढ़ाने की योजना है। इसके बाद 1 नवंबर से पंजीकृत किसानों को नियमित रूप से सिंचाई के लिए पानी दिया जाएगा।

11 मंदिरों से 800 करोड़ जुटाने की तैयारी

संस्कृत विद्वान समर्थन में तो कांग्रेस क्यों कर रही विरोध ?

उज्जैन।

उज्जैन के 11 प्रमुख मंदिरों के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये का कर्ज और 200 करोड़ के टेंपल बॉन्ड जारी करने की योजना पर विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस नेता भरत पोरवाल और पुजारी महासंघ ने इसका विरोध किया, जबकि संस्कृत विद्वान राजेश्वर शास्त्री मुसलगावकर ने इसे जनभागीदारी बढ़ाने वाला कदम बताया।

धार्मिक नगरी उज्जैन के 11 प्रमुख मंदिरों के सौंदर्यीकरण और उन्नयन के लिए 600 करोड़ का कर्ज और 200 करोड़ के टेंपल बॉन्ड जारी करने की योजना पर सियासी घमासान मच गया है। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता भरत पोरवाल ने इस योजना को गलत बताते हुए अधिकारियों के जेल जाने तक की बात कह दी है, तो वहीं विक्रम विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्वान ने इस योजना का खुलकर समर्थन किया है।

कांग्रेस नेता भरत पोरवाल ने कहा कि सिंहस्थ के बजट से भी इन 11 मंदिरों का विकास हो सकता था, लेकिन उन्हें गिरवी रखकर 600 करोड़ का कर्ज और 200 करोड़ का बॉन्ड निकालना गलत है। इसके जरिए बिजनेस किया जा रहा है। पोरवाल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सभी



समितियों के अध्यक्ष कलेक्टर होते हैं, इसलिए शासकीय भूमि कलेक्टर के अधीन आती है। कलेक्टर को सरकारी जमीन गिरवी रखने का कोई अधिकार नहीं है। इसके लिए पहले सेबी से परमिशन लेना होती है। कोई भी सरकारी बैंक सरकारी जमीन पर लोन नहीं देती, फिर इतनी बड़ी राशि का लोन कैसे दिया जा रहा है? उन्होंने चेतावनी दी है कि सीधी सी बात है, जो अधिकारी गलत नियम लगाकर इस योजना को पूरा करने में लगे हैं, वे जरूर जेल जाएंगे। अगर 800 करोड़ का कर्ज-बॉन्ड लिया जाएगा तो यह राशि आखिरकार मंदिरों में आने वाले भक्तों से ही वसूली जाएगी। पोरवाल ने कहा कि उज्जैन विकास प्राधिकरण के अधिकारी मनमाफिक काम कर रहे हैं। अगर वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलते तो वे 500 करोड़ मंदिरों के विकास के लिए आसानी से दे देते। जब अयोध्या में राम मंदिर चंदे से बन सकता है, तो उज्जैन में बॉन्ड क्यों? अगर जरूरत है तो मैं खुद 11,000 रुपये की पहली रसीद कटवाने को तैयार हूं।

गर्भवती महिलाओं को व्हाट्सऐप पर मिलेगी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

उज्जैन। गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान सही स्वास्थ्य सलाह देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के माध्यम से सुमन सखी चैटबॉट की सुविधा प्रारंभ की गई है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. विक्रम सिंह रघुवंशी ने बताया कि सुमन सखी चैटबॉट गर्भावस्था, प्रसव और शासकीय योजनाओं सहित स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने वाली डिजिटल सुविधा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर आधारित यह चैटबॉट गर्भावस्था से लेकर नवजात शिशु की देखभाल तक की जानकारी प्रदान करता है। इसे महिलाओं की डिजिटल दीदी भी कहा जा सकता है। यह हिंदी भाषा में 24 घंटे उपलब्ध है तथा ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों की महिलाओं के लिए उपयोगी है। चैटबॉट का उपयोग करने के लिए महिलाएं अपने मोबाइल में 97709-05942 नंबर सेव कर व्हाट्सऐप पर नमस्ते या नमस्कार लिखकर संदेश भेज सकती हैं।

सिंहस्थ: सब्जियों-फूलों की आपूर्ति के लिए 15 जिलों के 20 हजार किसानों को जोड़ने की योजना

उज्जैन।

सिंहस्थ महाकुंभ 2028 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार धार्मिक नगरी उज्जैन में बड़े पैमाने पर विकास कार्य करवा रही है। श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़कों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर 29 किलोमीटर लंबे घाटों का निर्माण भी जारी है। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच अब उद्यानिकी विभाग ने सब्जियों और फूलों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजना तैयार की है। इसके तहत उज्जैन सहित प्रदेश के करीब 15 जिलों में कुल 16 हजार हेक्टेयर भूमि पर सब्जियों और फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। योजना से 20 हजार से अधिक किसानों को जोड़ने की तैयारी है, ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय बाजारों की मांग के अनुसार सब्जियों और फूलों की आपूर्ति की जा सके।

15 जिलों में 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक केएस मंडलोई के अनुसार, सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान सब्जियों और फूलों की बड़ी मांग रहती है। इसे देखते हुए विभाग ने दो साल पहले से ही योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रदेश के करीब 15 जिलों में सब्जियों और फूलों का उत्पादन बढ़ाने की तैयारी की गई है। सब्जियों की खेती के लिए उज्जैन संभाग के उज्जैन, आगर मालवा, शाजापुर, देवास, रतलाम, नीमच और मंदसौर जिलों को शामिल किया गया है। इन जिलों में करीब आठ हजार हेक्टेयर क्षेत्र में संकर



(हाइब्रिड) सब्जियों का उत्पादन करने की योजना है। यहां उत्पादित सब्जियों को सिंहस्थ मेले के दौरान उज्जैन तक पहुंचाया जाएगा। फूलों की खेती के लिए उज्जैन, इंदौर, देवास, आगर मालवा, खंडवा, छतरपुर, मैहर और दतिया जिलों में आठ हजार हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र विकसित करने की योजना है। इस तरह सब्जियों और फूलों के उत्पादन के लिए कुल 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र तैयार किया जाएगा। विभाग गुलाब सहित अन्य फूलों की खेती को भी प्रोत्साहित करेगा, ताकि महाकुंभ के दौरान इनकी मांग पूरी की जा सके।

किसानों का चयन कर दिया जा रहा प्रशिक्षण

योजना के तहत सबसे पहले किसानों का चयन किया गया है और अब उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सब्जियों और फूलों की खेती के लिए चुने गए क्षेत्रों में विशेष क्लस्टर बनाए जाएंगे, ताकि किसान संगठित तरीके से उत्पादन कर सकें। किसानों को यह भी बताया जा रहा है कि गर्मी और बारिश के मौसम में फसलों को बीमारियों से कैसे बचाया जाए और उत्पादन को बेहतर बनाए रखने के लिए कौन-से उपाय अपनाए जाएं। क्लस्टर आधारित व्यवस्था के माध्यम से किसानों को खेती की बेहतर तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। विभाग का उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान मांग के अनुरूप सब्जियों और फूलों की उपलब्धता बनाए रखना है, ताकि बाजार में इनकी कमी न हो।

सिंहस्थ के दौरान खेतों से सब्जियों और फूलों को समय पर उपभोक्ताओं तक पहुंचाना विभाग के सामने बड़ी चुनौती होगी। इसे देखते हुए क्लस्टर के आसपास संग्रहण केंद्र, ग्रेडिंग-पैकिंग और कोल्ड स्टोरेज जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इससे उत्पादों को सुरक्षित रखने और जरूरत के अनुसार बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार किया जाएगा। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों में सब्जियों और फूलों की मांग, उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ी जानकारी दर्ज रहेगी। इसी रिकॉर्ड के आधार पर यह पता लगाया जा सकेगा कि किस जिले से कितनी मात्रा में सब्जियां और फूल उज्जैन पहुंच रहे हैं। यदि किसी जिले से पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाती है, तो दूसरे जिलों से सब्जियों और फूल मंगाकर मांग पूरी करने की व्यवस्था की जाएगी। परिवहन की योजना भी इसी जानकारी के आधार पर तैयार की जाएगी, ताकि महाकुंभ के दौरान उत्पाद समय पर बाजार और उपभोक्ताओं तक पहुंच सकें।

हत्या, रंगदारी और अवैध वसूली समेत कई मामलों में वांछित थे दोनों .....

अमेरिका में गैंगस्टर हिमांशु-नीरज गिरफ्तार

नई दिल्ली/वाशिंगटन । भारत में वांछित गैंगस्टर हिमांशु भाऊ उर्फ भाऊ रिटोलिया और नीरज फरीदपुरिया को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। दोनों पर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में हत्या, हत्या के प्रयास तथा रंगदारी समेत कई गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से मिले इनपुट के आधार पर नीरज फरीदपुरिया की गिरफ्तारी में भी मदद मिली। हरियाणा के रोहतक जिले के रिटोली गांव का रहने वाला हिमांशु भाऊ भारतीय जांच एजेंसियों की वांछित सूची में शामिल था। उसके खिलाफ अगस्त 2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसके जरिए सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से संबंधित व्यक्ति का पता लगाने और अपने कानूनों के तहत उसे हिरासत में लेने में सहयोग मांगा जाता है।

हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास, फिरौती मांगने तथा हथियारों की तस्करी जैसे मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। हरियाणा पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी में मदद के लिए 2.5 लाख रुपये और दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोप है कि विदेश में रहकर वह दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में अपने गिरोह का संचालन कर रहा था।

नीरज पर 25 से अधिक मामले दर्ज: नीरज फरीदपुरिया पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी है। इनमें हत्या और रंगदारी के मामले शामिल हैं। उसका नाम वर्ष 2019 में फरीदाबाद में कांग्रेस नेता विकास चौधरी की हत्या के मामले में भी सामने आया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उसके घर पर छापेमारी कर चुकी है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, नीरज को 2012 में हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2015 में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई, लेकिन 2019 में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उसके विदेश चले जाने की बात सामने आई थी।



हैदराबाद एयरपोर्ट पर 1.56 करोड़ की विदेशी करेंसी जब्त, दो महिला गिरफ्तार

हैदराबाद ।। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 1.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी करेंसी जब्त की है। इस मामले में एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया गया है। दोनों 22 अक्टूबर को हैदराबाद से मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाने वाली उड़ान से यात्रा करने वाले थे। डीआरआई की हैदराबाद जोनल यूनिट के सुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पहले एक पुरुष यात्री को रोका। उसके ट्रॉली बैग की तलाशी के दौरान कपड़ों के बीच काले प्लास्टिक कवर में छिपाकर रखे गए अमेरिकी डॉलर और मलेशियाई रिंगिट बरामद किए गए। जब विदेशी मुद्रा का मूल्य करीब 63.62 लाख रुपये आंका गया। पुरुष यात्री से पूछताछ के दौरान अधिकारियों को पता चला कि उसी उड़ान से एक महिला यात्री भी यात्रा करने वाली थी। वह अलग यात्री नाम रिकॉर्ड (पीएनआर) पर टिकट बुक कराकर सफर करने वाली थी।

महाराष्ट्र में रेपिडो चला रहा था जैश का संदिग्ध आतंकी

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक 33 वर्षीय संदिग्ध आतंकी मोहम्मद हसन अबू तरमद उरफान को मुंबई से गिरफ्तार किया है। एटीएस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आरोपी को माहिम नेटो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। एटीएस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि मोहम्मद हसन रैपिडो राइडर और इस्र विक्रेता के तौर पर काम करने की आड़ में कथित तौर पर कट्टरपंथी विचारों का प्रचार कर रहा था। जानकारी के अनुसार, एटीएस ने संदिग्ध को हिरासत में लेकर मुंबई पुलिस के हवाले किया था, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, माहिम पुलिस थाने में संदिग्ध के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। आरोपी के पाकिस्तान के एक सुफिया अधिकारी (पीआईओ) के संपर्क में होने का भी आरोप है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच की जा रही है ताकि संदिग्ध के संपर्कों और गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा सके। महाराष्ट्र एटीएस और मुंबई पुलिस संयुक्त रूप से आरोपी की गतिविधियों और जैश-ए-मोहम्मद से उसके कथित संबंधों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यह गिरफ्तारी भारत में जैश-ए-मोहम्मद के बढ़ते नेटवर्क और उसके मॉड्यूल के सक्रिय होने का संकेत देती है। इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों से जैश से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है।

आईटीबीपी स्थापना दिवस पर मोदी ने दी 'हिमवीरों' को बधाई

- मोदी, राजनाथ सिंह और किरेन रिजिजू ने जवानों के साहस व बलिदान को सराहा
- भारतीय सेना और सीआरपीएफ ने भी दी शुभकामनाएं

प्रतीक इंद्र
नई दिल्ली



1962 में हुई थी स्थापना

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 65वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और सुरक्षा बलों ने जवानों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने बल के अधिकारियों और जवानों की सराहना करते हुए उनके साहस, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा को देश के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आईटीबीपी के 'हिमवीरों' ने अपने असाधारण साहस से खुद को साबित किया है। उन्होंने हर चुनौती का दृढ़ संकल्प के साथ सामना किया है। उनकी निस्वार्थ सेवा और बलिदान देश के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आईटीबीपी के जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा में आईटीबीपी की महत्वपूर्ण भूमिका है। बल ने वामपंथी उग्रवाद से निपटने सहित आंतरिक सुरक्षा अभियानों में भी अहम योगदान दिया है। उन्होंने जवानों के साहस, पेशेवर रवैये और कर्तव्य के प्रति समर्पण की सराहना की।

आईटीबीपी की स्थापना 24 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के बाद की गई थी। यह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। बल लद्दाख के काराकोरम दर्रे से अरुणाचल प्रदेश के जांचेप ला तक लगभग 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा की सुरक्षा में तैनात है। सीमा की निगरानी, घुसपैठ और तस्करी रोकने के अलावा आईटीबीपी उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बचाव अभियान और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े कार्य भी करती है।

फटाफट खबरें

शिवा हत्या कांड : तीन युवकों ने खाया था जहर

कैफे कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या के आरोप ने गिरफ्तार नॉडल ब्रह्मा दुबे के शुरुआती जीवन और प्रेम संबंधों को लेकर कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। रायबरेली से जुड़े उसके एक पुराने दोस्त के मुताबिक, वर्ष 2009-10 के दौरान ब्रह्मा के प्रेम प्रसंगों के चलते तीन युवकों ने कथित तौर पर जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, यह भी खुलासा हुआ है कि ब्रह्मा अपने एक प्रेमी के साथ मुंबई गई थी, लेकिन महज 25 दिन बाद उसे बिना बताए ही वहां से लौटकर रायबरेली आ गई थी।

यूपी 2027 : अखिलेश से 200 सीटें मांग रही कांग्रेस

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने करीब 200 विधानसभा क्षेत्रों की एक सूची तैयार की है, जहां से वह चुनाव लड़ने की इच्छुक है। हालांकि, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि उसका नकारात्मक इतनी ही सीटें मांगना नहीं है, बल्कि गठबंधन ने सम्मानजनक हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। कांग्रेस की इस मांग के साथ ही उसके पिछले चुनावी रिकॉर्ड पर भी नजर डालना जरूरी हो जाता है, क्योंकि पार्टी पिछले दो विधानसभा चुनावों में दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है।

कोलकाता भगदड़ : पंडाल गिरने की घोषणा से मची भगदड़

चोरबागान में एक पूजा पंडाल में मची दुखद भगदड़ को नानवीय भूल का परिणाम बताते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 19 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद आने वाली सभी सिफारिशों को पूरी तरह से लागू किया जाएगा। अधिकारी ने नालिकतला के बागबगरी निवासी शुभम सोनकर और श्यामपुकुर निवासी मिठु मंडल सहित दो पीड़ितों के आवासों का दौरा करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों को सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान पहचाना गया।

वेस्ट बैंक में घर-घर जाकर देंगे जवाब : नेतन्याहू

इजरायल के वेस्ट बैंक में हाल ही में हुए एक हमले में दो इजरायली सैनिकों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस घटना के बाद से तनाव को एक बार फिर बढ़ा दिया है, जिसके बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले का 'घर-घर' जाकर जवाब देने का कड़ा ऐलान किया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है।

पहली रील में दिखाई किताब 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' की झलक

इंस्टाग्राम पर सोनिया गांधी की रील हुई वायरल....



नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने 22 अक्टूबर को अपना आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट शुरू किया। उनकी पहली रील कुछ ही घंटों में चर्चा का विषय बन गई। इस रील में उनकी आगामी पुस्तक 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' की झलक दिखाई गई। रील को शुरुआती घंटों में ही 50 लाख से अधिक व्यूज मिले।

सोनिया गांधी की पहली रील का उद्देश्य उनकी आगामी पुस्तक का प्रचार करना है। उनकी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने वाली है। पुस्तक में उनके निजी जीवन, राजीव गांधी से मुलाकात, भारत आने के अनुभव और राजनीतिक सफर से जुड़े प्रसंग शामिल हैं। इंस्टाग्राम पर रील की व्यापक पहुंच से पुस्तक के बारे में अधिक लोगों को जानकारी मिल सकती है। इससे पाठकों की रुचि और संभावित बिक्री को अप्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, इससे होने वाली अतिरिक्त बिक्री या आय का कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। सोनिया गांधी का इंस्टाग्राम अकाउंट फिलहाल सीमित संख्या में प्रोफाइल को फॉलो करता है। इनमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस का आधिकारिक अकाउंट शामिल हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह सवाल उठने लगा कि इतनी बड़ी संख्या में व्यूज मिलने से सोनिया गांधी को कितनी कमाई हुई? हालांकि, सिर्फ व्यूज के आधार पर इंस्टाग्राम किसी अकाउंट को निश्चित रकम का भुगतान नहीं करता।

जामिया में छात्र संघ चुनाव की मांग पर आंदोलन तेज

- 13 दिन से जारी है भूख हड़ताल, प्रशासन ने दो महीने का समय मांगा, छात्र बोले—चुनाव की तारीख भी घोषित हो
- दीवारों पर विवादित नारों से बढ़ा राजनीतिक विवाद



नई दिल्ली । जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। कई दिनों से जारी प्रदर्शन के बीच कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। आंदोलन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर कथित आपत्तिजनक और विवादित नारे लिखे जाने का मामला सामने आने के बाद विवाद ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। जामिया में आखिरी बार वर्ष 2005 में छात्र संघ चुनाव हुए थे। वर्ष 2006 में निर्वाचित छात्र संघ इकाई को भंग कर दिया गया था।

इसके बाद से ही छात्र संगठन की बहाली की मांग उठती रही है। अब छात्र 'यूनाइटेड स्टूडेंट्स ऑफ जामिया' के बैनर तले एकजुट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों की तीन प्रमुख मांगें हैं। वे मौजूदा शैक्षणिक सत्र में छात्र संघ चुनाव की तारीख तत्काल घोषित करने, प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई सभी अनुशासनात्मक कार्रवाइयां वापस लेने और विश्वविद्यालय के सुरक्षा सलाहकार तथा चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि छात्र संघ उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का माध्यम है।

दो महीने में बनेगा संविधान का मसौदा

छात्रों की मांगों पर विश्वविद्यालय की उच्चस्तरीय समिति ने बताया है कि छात्र संघ का संविधान तैयार करने के लिए ड्राफ्ट कमेटी गठित की गई है। समिति को मसौदा तैयार करने में दो महीने लगेंगे। प्रशासन ने छात्रों से प्रदर्शन समाप्त कर प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही 12 अक्टूबर के बाद की गई अनुशासनात्मक कार्रवाइयों की समीक्षा का आश्वासन दिया है। हालांकि, छात्र प्रशासन के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। भूख हड़ताल पर बैठे छात्र जासिम अली खान के मुताबिक, वह 13 दिनों से हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि दो महीने की समयसीमा केवल संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए है, चुनाव कराने के लिए नहीं। छात्रों की मांग है कि प्रशासन चुनाव की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे। एक अलग छात्र ने विश्वविद्यालय अनुकल आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय से हस्तक्षेप कर चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की।

हिमाचल के 6 मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी पीजी सीटें

- केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, 415 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा, शिमला को 91 सीटें



शिमला को 91 सीटें

स्वीकृत 320 सीटों में शिमला के लिए 91, टांडा और हमीरपुर के लिए 57-57, नर्सी के लिए 55, नाहन के लिए 32 तथा चंबा के लिए 28 सीटें निर्धारित की गई हैं। इन सीटों से सर्जरी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग और कैंसर सहित विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। नड्डा ने बताया कि केंद्र सरकार ने देशभर में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए अगले पांच वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये की लागत से 10,000 नई स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटें बढ़ाने की योजना को मंजूरी दी है। हिमाचल प्रदेश की 320 पीजी सीटें भी इसी योजना का हिस्सा हैं।

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने की घोषणा की है। इस विस्तार के लिए केंद्र सरकार लगभग 415 करोड़ रुपये का अनुदान देगी।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। नई सीटें बढ़ने से हिमाचल प्रदेश के युवाओं को अपने राज्य में ही विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

250 पूर्व नौसैनिकों को बिना परीक्षा मिलेगी पुलिस में नौकरी

महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय नौसेना के 250 से अधिक पूर्व अग्निवीरों को राज्य के तटीय पुलिस बल में शामिल किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में यह जानकारी देते हुए बताया कि इन अग्निवीरों को उनकी सैन्य ट्रेनिंग और उत्कृष्ट सेवा को देखते हुए सीधी भर्ती के तहत लिया गया है। उन्हें किसी भी नई भर्ती परीक्षा से छूट दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सरकार ने यह फैसला लिया है कि सशस्त्र बलों में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीर यदि चाहें तो महाराष्ट्र पुलिस सहित राज्य सरकार के अन्य बलों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इन युवाओं ने गहन ट्रेनिंग ली है और सीमाओं पर अपनी सेवाएं भी दी हैं। इनके पास बेहतरीन क्षमताएं हैं।



इजरायल ने गोलीबारी मामले में कार्रवाई करते हुए एक फिलिस्तीनी के घर को ध्वस्त कर दिया।

हूतियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष में शामिल होने से तुर्की का इंकार

अंकारा । तुर्की ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी सैन्य संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है। तुर्की के रक्षा मंत्री यासर गुलेर ने कहा है कि उनका देश हूतियों के साथ किसी तरह के संघर्ष में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब तुर्की ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया है। एक साक्षात्कार के दौरान यासर गुलेर ने कहा, हम हूतियों के साथ किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब को तुर्की की ओर से दी जाने वाली संभावित सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होगा। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस सप्ताह समझौते को मंजूरी के लिए तुर्की की संसद में पेश किया गया। समझौते के प्रावधानों के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने की स्थिति को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। हालांकि, रक्षा मंत्री के बयान से संकेत मिलता है कि समझौते के बावजूद तुर्की हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने से दूरी बनाए रखना चाहता है। सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच तुर्की ने संभावित सैन्य सहयोग को प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तक सीमित रखने की बात कही है।



क्यूबा ने अमेरिका की बदलाव की अपील को टूथपेस्ट बेचने जैसा बताया, कार्लोस बोले-

राष्ट्रपति ट्रंप का कदम हताशा और लाचारी वाला

- ईरान के बाद क्यूबा पर ध्यान देने की ट्रंप ने कही थी बात फिर रुबियो ने बदलाव का आह्वान किया



हवाना । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्यूबा को लेकर दिए गए बयान और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की अपील के बाद दोनों देशों के बीच जुबानी टकराव तेज हो गया है। रुबियो ने क्यूबा के लोगों से देश में बदलाव लाने का आह्वान किया, जबकि क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी कदम पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे अमेरिका टूथपेस्ट बेच रहा हो।

राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान से निपटने के बाद अमेरिका क्यूबा के मामले पर ध्यान देगा। उन्होंने संकेत दिया कि क्यूबा के साथ समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भेजा जा सकता है। इसके बाद ही रुबियो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि क्यूबा में सकारात्मक बदलाव चाहने वालों के लिए यह सही समय है। उन्होंने भ्रष्टाचार, अधूरे वादों और कुछ लोगों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं से निराश लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। अपनी पोस्ट में उन्होंने क्यूबा के लोगों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के साथ गुप्त साझेदारी के जरिए बदलाव लाने का भी आह्वान किया।

इस घटनाक्रम के बीच सीआईए ने सोशल मीडिया पर स्पेनिश भाषा में एक वीडियो जारी किया। इसमें क्यूबा के लोगों को सुरक्षित तरीके से जानकारी साझा करने के लिए वीपीएन और अस्थायी ईमेल खातों जैसे माध्यमों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए।

डी कोसियो ने बताया हताशा और लाचारी

क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी पहल को उसकी 'हताशा और लाचारी' करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिका अब सार्वजनिक रूप से सीआईए के लिए लोगों की भर्ती कर रहा है, मानो कोई टूथपेस्ट बेच रहा हो। अमेरिकी प्रशासन की अपील और क्यूबा की प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों में एक नया विवाद जुड़ गया है। ट्रंप ने क्यूबा के साथ संभावित समझौते का संकेत दिया है, लेकिन रुबियो की अपील और सीआईए के वीडियो पर हवाना की तीखी प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद बरकरार हैं।

मेरे पास 3 मेडल थे, बस गोल्ड नहीं था, सविता पुनिया की जिद ने 44 साल बाद भारत को दिलाया एशियाई खेलों का स्वर्ण

नई दिल्ली।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। करीब 44 साल बाद टीम को यह कामयाबी मिली। फाइनल में भारत का सामना चीन से हुआ, जहां अनुभवी गोलकीपर सविता पुनिया ने पेनल्टी स्ट्रोक पर शानदार बचाव कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस स्वर्ण पदक के साथ भारतीय टीम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए भी सीधे क्वालिफाई कर लिया।



ओलंपिक क्वालिफिकेशन सुनिश्चित होने के बाद सविता पुनिया ने एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि अब टीम का पूरा ध्यान लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अब तक ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीता है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1980 और 2020 में रहा, जब उसने चौथा स्थान हासिल किया था। वहीं, भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी।

सविता पुनिया ने एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने के पीछे टीम के संकल्प को अहम बताया। उन्होंने कहा, मैं सीनियर खिलाड़ी हूं और हमेशा कहती थी कि 2014 में कोरिया, 2018 में जापान और 2023 में चीन ने स्वर्ण पदक जीता था। इस बार मेरे चौथे एशियाई खेल थे और हम गोल्ड मेडल जीतना चाहते थे। मेरे पास तीन पदक थे, लेकिन एक स्वर्ण पदक की कमी थी। टीम ने मेरी इस बात को गंभीरता से लिया और सभी खिलाड़ी मेरी कही बात को दोहराते रहते थे।

टोक्यो ओलंपिक के बाद पदक जीतना था लक्ष्य

सविता ने कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम लंबे समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थी और खिलाड़ी स्वर्ण पदक का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इसके लिए पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद चार साल की मेहनत के बाद बिना पदक लौटना खिलाड़ियों के लिए मुश्किल था।

उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंट से लौटने पर अक्सर खिलाड़ियों को यह सुनना पड़ता है कि वे और बेहतर कर सकते थे। ऐसे में पदक जीतना उनके लिए बेहद मायने रखता है। टोक्यो ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करने और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाने के बाद एशियाई खेलों का स्वर्ण भारतीय टीम के लिए खास महत्व रखता था।

युवा खिलाड़ियों पर नहीं रहेगा क्वालिफिकेशन का दबाव

सविता पुनिया ने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से टीम को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधा क्वालिफिकेशन मिल गया है। टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं और भारतीय टीम चाहती थी कि उन्हें ओलंपिक क्वालिफिकेशन हासिल करने का अतिरिक्त दबाव न झेलना पड़े। अब टीम का लक्ष्य ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतना है।

भारत की जीत में तिलक वर्मा के नाम दो बड़े रिकॉर्ड, फील्डिंग में भी रचा इतिहास

नई दिल्ली।

भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। हेगले ओवल में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 180 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 181 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। इस मुकाबले में कई बड़े रिकॉर्ड बने, जिनमें तिलक वर्मा का फील्डिंग में बनाया गया रिकॉर्ड भी शामिल है।



तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 7वें विकेट के लिए 69 रन जोड़े। सफल रनचेज में इस विकेट के लिए यह संयुक्त रूप से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इस मामले में बांग्लादेश के अफीफ हुसैन और मोसद्दक हुसैन पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 2019 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 82 रन जोड़े थे। श्रीलंका के दासुन शनाका और चमिका करुणारत्ने ने भी 2022 में 69 रन की साझेदारी की थी।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वह भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक से ज्यादा बार चार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले उन्होंने 2016 टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ 11 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उस मुकाबले में भारतीय टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी।

अभिषेक शर्मा के नाम पावरप्ले में शतकीय रिकॉर्ड

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले के दौरान अपने शतकों का आंकड़ा 100 तक पहुंचाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी पावरप्ले में भारतीय टीम को तेज शुरुआत दिलाने में अहम भूमिका निभाती है।

तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सातवें या उससे नीचे के विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक और क्रुणाल पंड्या के नाम था। दोनों ने 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में 63 रन जोड़े थे।

तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी के साथ फील्डिंग में भी नया रिकॉर्ड बनाया। वह एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। तिलक के नाम इस साल 26 कैच हो चुके हैं, जबकि इंडोनेशिया के दानिस्मन हैवोए ने 2025 में 25 कैच लिए थे।

रेस्टोरेंट के बाहर गिरे डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज रिक फ्लेयर, सिर और आंख के पास गंभीर चोट

नई दिल्ली।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज रेसलर और हॉल ऑफ फेमर रिक फ्लेयर को लेकर चिंताजनक खबर सामने आई है। 77 वर्षीय फ्लेयर शुक्रवार सुबह अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित टाम्पा में एक रेस्टोरेंट के बाहर अचानक गिर पड़े। हादसे में उनके सिर और आंख के पास चोटें आईं और खून बहने लगा। घटना के बाद उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआती रिपोर्टों में सिर में गंभीर चोट के कारण मस्तिष्क में झटके की आशंका जताई गई है। हालांकि, उनकी ताजा स्वास्थ्य स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।



मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, रिक फ्लेयर रेस्टोरेंट के बार में अपना कुछ सामान भूल गए थे। उसे लेने के लिए बाहर निकले ही थे कि अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े। गिरने से उनके सिर और चेहरे पर चोटें आईं। मौके पर पहुंचे आपातकालीन चिकित्सा दल ने प्राथमिक उपचार दिया और इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

पैर में खून का थक्का जमने की दी थी जानकारी

हादसे से कुछ घंटे पहले ही रिक फ्लेयर ने सोशल मीडिया पर अपने स्वास्थ्य को लेकर जानकारी साझा की थी। उन्होंने बताया था कि पैर में खून का थक्का जमने के कारण उन्हें आगामी कार्यक्रमों में शामिल होने का दौरा रद्द करना पड़ा। उन्हें वाशिंगटन स्टेट हॉर्स कॉन कार्यक्रम में हिस्सा लेना था, लेकिन चिकित्सकों ने लंबी यात्रा करने से बचने की सलाह दी थी। डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें तीन से चार घंटे से अधिक की यात्रा नहीं करनी चाहिए थी। इसी वजह से सिएटल जाने का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

कुश्ती की दुनिया में द नेचर बॉय के नाम से मशहूर रिक फ्लेयर अपने लंबे करियर और शानदार अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। उनके साथ हुए इस हादसे के बाद प्रशंसक उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं।

लंदन में आरव भाटिया के साथ छुट्टियां मना रहीं अनन्या, बेकिंग को मिला अपूर्वल

मुंबई।

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। इस दौरान अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया के साथ उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा में है। अनन्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीर साझा करते हुए मजेदार अंदाज में लिखा, दोस्तों, मेरी बेकिंग को अपूर्वल मिल गया है।



तस्वीर में आरव हाथ में मफिन से भरा डिब्बा पकड़े नजर आ रहे हैं, जबकि अनन्या उनके साथ बैठी दिखाई दे रही हैं। दोनों का सहज अंदाज प्रशंसकों को पसंद आ रहा है। आरव आमतौर पर निजी जिंदगी को लोगों की नजरों से दूर रखते हैं, इसलिए उनकी यह तस्वीर चर्चा में आ गई है।

काम की बात करें तो अनन्या जल्द ही सीरीज कॉल मी बे के दूसरे सीजन में बेला बे चौधरी के किरदार में नजर आएंगी। इस बार अभिनेत्री श्रुति हासन भी सीरीज का हिस्सा होंगी। दूसरे सीजन की पहली झलक जर्मनी में आयोजित प्राइम वीडियो के एक कार्यक्रम में दिखाई गई थी। जहां अनन्या अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं, वहीं आरव के साथ उनकी तस्वीर ने भी प्रशंसकों का ध्यान खींचा है।

अक्षय खन्ना बोले- गलती के बाद होता है पछतावा, फिर सोचता हूं दोबारा ऐसा नहीं करूंगा

निजी जिंदगी में बेहद संजीदा है अभिनेता, बोले- अपनों की छोटी-सी बात भी दिल को गहराई से छू जाती है; माफी मांगने में कभी परेशानी नहीं हुई

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। वह फिल्मी दुनिया की चकाचौंध, मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों से अक्सर दूरी बनाए रखते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी सक्रियता न के बराबर है। हालांकि, उनके इस स्वभाव के पीछे क्या वजह है, इसका खुलासा उन्होंने कई साल पहले अभिनेत्री सिमी गरेवाल के चैट शो में किया था। बातचीत के दौरान अक्षय ने अपने व्यक्तित्व, संवेदनशीलता और रिश्तों को लेकर खुलकर विचार रखे थे।

सिमी गरेवाल ने बातचीत के दौरान कहा था कि अक्षय अपने आसपास एक ऐसी दीवार खड़ी कर लेते हैं, जिससे लोग उनसे दूर हो जाते हैं। इस पर अभिनेता ने स्वीकार किया कि वह अपनी



भावनाओं को पूरी तरह जाहिर नहीं कर पाते। उन्होंने कहा था कि अब वह उन दीवारों को थोड़ा पारदर्शी बनाने लगे हैं, लेकिन वे अभी भी मौजूद हैं।

अक्षय ने यह भी माना कि वह अपने करीबी लोगों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। उनके अनुसार, जिन लोगों से उनका गहरा जुड़ाव होता है, उनकी छोटी-सी बात भी उन्हें अंदर तक प्रभावित कर सकती है। वह किसी का दिल दुखाना नहीं चाहते, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसा हो जाता है।

अभिनेता ने अपनी इसी आदत के बारे में बात करते हुए कहा था, %%बाद में मुझे इसका पछतावा होता है और मैं सोचता हूं कि दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन कभी-कभी गलती हो ही जाती है। उन्होंने माना कि खुद संवेदनशील होने के कारण वह दूसरों की भावनाओं को लेकर भी सतर्क रहते हैं। अक्षय के मुताबिक, गलती हो जाने पर माफी मांगने में उन्हें कभी परेशानी महसूस नहीं हुई। उनका मानना है कि माफी मांगना अच्छी बात है। इससे मन को राहत मिलती है और रिश्तों में आई दूरी को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

अक्षय ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह अपनी मर्जी से लोगों से दूरी बनाकर नहीं रहते। उन्हें लोगों से मिलना, उनसे बातचीत करना और उन्हें समझना अच्छा लगता है, लेकिन ऐसा कर पाना उनके लिए स्वाभाविक रूप से आसान नहीं है। उन्होंने कहा था कि किसी काम को नहीं करना चाहने और उसे नहीं कर पाने के बीच बड़ा अंतर होता है। उनके इस विचार से साफ होता है कि उनकी शांत और निजी जिंदगी जीने की आदत को केवल अहंकार या बेरुखी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पर्दे पर अलग-अलग किरदारों में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले अक्षय खन्ना का यह पहलू उनके व्यक्तित्व की एक अलग तस्वीर पेश करता है।

व्यापार

चावल की कीमतों में तेजी जारी रहने की उम्मीद

इंदौर। जोरदार तेजी के बाद दालों के भाव घटे हैं, जबकि चावल में तेजी कायम है। दलहनों में उठाव कम होने पर भी भाव मजबूती पर टिके हुए हैं।अल नीनो के प्रभाव से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में बारिश कम होने की आशंका है। इससे धान की फसल और उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में दुनिया भर में चावल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

भारतीय चावल का दुनियाभर में दबदबा है। भारत, थाईलैंड, वियतनाम, पाकिस्तान, म्यांमार और कंबोडिया प्रमुख निर्यातक देश हैं। वहीं, फिलीपींस, चीन और कई अफ्रीकी देशों सहित अनेक देशों में चावल की मांग आयात से पूरी होती है। वर्ष 2011 तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में थाईलैंड के चावल की कीमत को प्रमुख मानक माना जाता था। इसके बाद भारतीय चावल ने यह स्थान हासिल कर लिया। भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। वैश्विक चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक है। भारत से होने वाला सालाना निर्यात थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार और पाकिस्तान के कुल निर्यात से भी ज्यादा है। भारतीय चावल का निर्यात मूल्य पिछले एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। थाईलैंड और वियतनाम के चावल की कीमतें भी भारतीय चावल से अधिक हैं। भारत में चावल का उत्पादन घटने की आशंका से कीमतें बढ़ सकती हैं। इसका असर दूसरे निर्यातक देशों पर भी पड़ेगा और वे अपने चावल के दाम बढ़ा सकते हैं।

दलहन- इंदौर चना काँटा 7400-7450 विशाल 7250-7350 डंकी चना 6300-6700 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 9400-9700 महाराष्ट्र लाल 9800-10000 कर्नाटक 10000-10100 निमारी तुवर 7700-9200 मूंग बेस्ट गर्मी 8200-8400 मूंग बेस्ट बोल्ड 8400-8600 मोगर 5500 - 7500 उड़द बोल्ड 9500-9700 उड़द गर्मी 9000-9400 ग्रेविटी क्लीन 9700-10100 उड़द मीडियम 6000-8500 हल्का 4000-6000 काबुली डॉलर 9500-10500 काबुली रशियन 7600-7800 बिटकी 7100-7300 रुपए क्विंटल।

दालें- चना दाल 8800-8900, मीडियम 9100-9300, बेस्ट 9700-9900, मसूर 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, मूंग दाल 9800-9900, बेस्ट 10000-10100 मूंग मोगर 11800-11900, बेस्ट 12200-12100, तुवर दाल 9400-9500, मीडियम 10300-10400, बेस्ट 12300-12500, ए.बेस्ट 13500-13700, ब्रांडेड तुवर दाल 15100, उड़द दाल 11200-11300, बेस्ट 11400-11500, उड़द मोगर 11800-12000 बेस्ट 12100-12300, रुपये प्रति क्विंटल ।

गेहूं- मिल क्वालिटी 2500-2700, लोकवन 2700-3200, मालवराज 2800-2825, पूर्णा 2700-2900, मक्का 2300-2360 रुपए क्विंटल

इंदौर चावल-बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रु. क्विंटल।

चांदी दो लाख से नीचे, सोना 4,000 डॉलर तक गिरा तो बढ़ेगी खरीदारी

इंदौर। सोना-चांदी में भारी गिरावट का दौर चल रहा है। चांदी लगातार घटते हुए दो लाख के अंदर हो गई है, तो सोना भी 144000 के दायरे में है। यूबीएस के अनुसार, सोने की कीमतें जल्द ही 4,000 डॉलर प्रति औंस तक गिर सकती हैं। हालांकि, इस स्तर पर निवेशक फिर से सोना खरीद सकते हैं। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और डॉलर की मजबूती से सोने की कीमतों पर दबाव पड़ा है। चीन और दूसरे देशों के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं। यूबीएस का अनुमान है कि केंद्रीय बैंक हर साल 750 से 1,000 टन सोना खरीद सकते हैं। बढ़ता सरकारी कर्ज और डॉलर के कमजोर होने की आशंका भी सोने की मांग बढ़ा रही है। यूबीएस को उम्मीद है कि सोने की कीमतें 2026 के अंत तक और 2027 में फिर बढ़ सकती हैं। बैंक के अनुसार, सोना 4,000 डॉलर तक गिरता है तो यह लंबी अवधि के निवेशकों के लिए खरीदारी का अवसर हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4021 डॉलर प्रति औंस और चांदी 5385सेंट पर है।

इंदौर सराफा- सोना केडवरी रवा नकद 144500, सोना आरटीजीएस में 141150 (जीएसटी अतिरिक्त), सोना 22 कैरेट 129400 (जीएसटी अतिरिक्त) रुपये प्रति दस, चांदी चौरसा 198900, चांदी आरटीजीएस 193000, चांदी टंच 199500 रुपये प्रति किलो, चांदी सिक्का 2470 रुपये प्रति नग।

सोयाबीन के लिए भावान्तर भुगतान योजना

इंदौर। प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए सोयाबीन भावान्तर भुगतान योजना को मंजूरी दे दी है। इससे सरकारी एजेंसियों को किसानों से सोयाबीन की खरीद करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी,लेकिन उत्पादकों को मूल्य समर्थन योजना का पूरा लाभ हासिल हो सकेगा।

मध्य प्रदेश सोयाबीन का सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य है। वहां पिछले सीजन में भी भावान्तर भुगतान योजना को स्वीकृति मिली थी। शुरूआती दौर में इससे किसानों को थोड़ी कठिनाई हुई थी, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई। इस स्कीम में किसानों को मान्यता प्राप्त थोक मंडियों में अपना उत्पाद बेचना पड़ता है और उसकी रसीद सरकार को दिखानी पड़ती है। यदि सोयाबीन की बिक्री न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर होती है तो उस मूल्यान्तर की क्षतिपूर्ति सरकार द्वारा की जाती है। मध्य प्रदेश फिलहाल देश में अकेला ऐसा राज्य है जहां भावान्तर भुगतान योजना (पीडीपीएस) की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत जब मंडी भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे होता है तब केन्द्र द्वारा 15 प्रतिशत तक के भावान्तर का भुगतान किया जाता है।

खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1820-1840, मुंबई मूंगफली तेल 1820, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1438-40, इंदौर सोयाबीन सार्वेट 1370-75, इंदौर पाम तेल 1500, मुंबई सोया रिफाईड 1485 मुंबई पाम तेल 1435 राजकोट तेलिया 2840, गुजरात लूज 1775, कपास्या तेल इंदौर 1505 रुपये प्रति दस किलो।

तिलहन-सरसो निमाड़ी (बारीक)9200 रायडा 8000-8200 सोयाबीन 6800-7000 रुपए क्विंटल।

कपास्या खली-(60 किलो भरती) इंदौर 2625, देवास 2625, उज्जैन 2625, खंडवा 2600, बुरहानपुर 2600, अकोला 3600 रुपये।

त्यौहारी मांग से जिंस बाजार में तेजी

इंदौर। नवरात्रि एवं दशहरा के बाद अब जिंस बाजार का ध्यान दीपावली पर है। यह पर्व व्यापारियों के लिए मजबूत कारोबारी आधार देता है। इन दिनों खासकर गेहूं, शकर चना, सूखे मेवे एवं मसालों में जबरदस्त खरीद बिक्री होने की उम्मीद रहती है जिससे इसकी कीमतों में तेजी का माहौल बना रहता है।

इसी तरह खाद्य तेलों की मांग एवं खपत भी इस दौरान काफी बढ़ जाती है। खाद्य उत्पादों का अभी अच्छा कारोबार हो रहा है जिससे भाव मजबूत बना हुआ है। व्यापार विश्लेषकों के मुताबिक अगले दो सप्ताह तक जिंस बाजार में भारी चहल-पहल रह सकती है। हालांकि सरकार कीमतों को नियंत्रित करने तथा आपूर्ति एवं उपलब्धता बढ़ाने का हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन मांग एवं खपत में होने वाली भारी बढ़ोत्तरी के कारण कीमतों में नरमी आना मुश्किल लगता है। सरकार ने अक्टूबर के लिए 30 लाख टन शकर का रिकॉर्ड फ्री सेल कोटा जारी किया। खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में 5-10 प्रतिशत की कटौती कर दी और खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत गेहूं बेचना भी शुरू कर दिया। लेकिन इन उपायों का असर त्यौहारी सीजन समाप्त होने के बाद ही दिखाई पड़ सकता है।

शकर- शकर 5130-5230, गुड़ भैली 5600-5700, लड्डू 6500, बरफी 7000, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 6000-6200 रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल- नारियल 120 भरती 3200, 160 भरती 3400, 200 भरती 3700, 250 भरती 4500 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 330-380, कट्टे में 315-20 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 3050-5750 रु. प्रति 15 किलो।

विधायकों को डिजिटली दक्ष बनाने 3 दिन का ट्रेनिंग शिविर

सवाल लगाने, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आदि से जुड़े दस्तावेज ऑनलाइन देखने और सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रक्रिया समझाने की तैयारी



भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही को डिजिटल बनाने के लिए तीन दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसमें विधायकों, उनके निजी सहायकों और सरकारी विभागों के अधिकारियों को ई-विधान एप्लीकेशन के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जाएगी। हालांकि मंत्रियों को इस ट्रेनिंग सत्र में शामिल नहीं किया जा रहा है, लेकिन 28, 29 और 30 अक्टूबर को विधानसभा परिसर में बाकी सभी विधायकों को दक्ष बनाने की कवायद होगी। खास बात यह कि पोर्टल आम नागरिकों को भी विधानसभा से जुड़ी कई जानकारियां उपलब्ध कराता है। इससे जनता उपलब्ध सार्वजनिक दस्तावेजों में सदन में रखे गए कागजात, प्रश्न, सरकारी विधेयक, सदस्यों की जानकारी और समिति की रिपोर्ट देख सकती है। इससे विधानसभा में उठाए गए मुद्दों और सरकार के जवाबों की जानकारी हासिल करना आसान होगा।

जानकारी के मुताबिक ट्रेनिंग के लिये 50-50 विधायकों के बैच बनाए गए हैं। उनके साथ विधानसभा से जुड़े काम देखने वाले पीए और अन्य स्टाफ भी नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के इस्तेमाल की ट्रेनिंग लेंगे। इस प्रशिक्षण का फोकस केवल टैबलेट चलाने तक सीमित नहीं रहेगा।

विधायकों को सवाल लगाने, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल के नोटिस भेजने, विधानसभा की कार्यवाही से जुड़े दस्तावेज ऑनलाइन देखने और सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रक्रिया समझाई जाएगी। इनके अलावा सरकारी विभागों की विधानसभा शाखाओं के नोडल अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि विधायकों की ओर से भेजे जाने वाले सवालों और नोटिस पर विभागीय कार्रवाई डिजिटल माध्यम से की जा सके। गौरतलब है कि नेवा यानी नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत संसदीय कार्य मंत्रालय की पहल है। इसका उद्देश्य विधानसभाओं की कार्यवाही को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना और कागजी कामकाज कम करना है। इसके जरिए सदन की कार्यसूची, प्रश्न, उनके जवाब, विधेयक, नोटिस और अन्य संसदीय दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उपलब्ध कराए जा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान विधायकों को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से सवाल और नोटिस जमा करने, कार्यसूची देखने तथा विभागों के जवाब और जरूरी दस्तावेज हासिल करने की प्रक्रिया समझाई जाएगी इससे विधानसभा सचिवालय, विधायक कार्यालयों और सरकारी विभागों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर के तीसरे सप्ताह में बुलाया जा सकता है, लिहाजा अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होने वाला प्रशिक्षण नई डिजिटल व्यवस्था के इस्तेमाल की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। सत्र के दौरान विधायकों के सवाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल संबंधी नोटिस सहित कई प्रक्रियाओं में विधायकों और विभागीय अधिकारियों के बीच समन्वय की जरूरत होती है। नेवा का प्रभावी इस्तेमाल होने पर विधायकों को सदन से संबंधित दस्तावेज डिजिटल माध्यम से उपलब्ध होंगे। विभागों के लिए भी सवालों और नोटिस पर कार्रवाई की प्रक्रिया ऑनलाइन संभालना आसान हो सकेगा

बताया जाता है कि मप्र विधानसभा में नेवा परियोजना के क्रियान्वयन की लागत करीब 29.85 करोड़ रुपए है। परियोजना के तहत डिजिटल व्यवस्था विकसित करने के साथ तकनीकी सुविधाएं और प्रशिक्षण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। विभागों की विधानसभा शाखाओं के नोडल अधिकारी डिजिटल प्रणाली के जरिए प्रश्नों और नोटिस से जुड़ी जानकारी संभाल सकेंगे। जवाब तैयार करने, संबंधित शाखाओं से जानकारी लेने और विधानसभा सचिवालय तक जवाब पहुंचाने की प्रक्रिया में ऑनलाइन समन्वय किया जा सकेगा। नागरिक अपने क्षेत्र से संबंधित विषयों पर सदन में हुई चर्चा और उपलब्ध रिकॉर्ड में सरकार के जवाब देख सकेंगे। हालांकि, विधायकों के सुरक्षित लॉगिन वाले सभी आंतरिक दस्तावेज सार्वजनिक नहीं होते।

नेवा का लक्ष्य विधानसभा की कार्यवाही को पेपरलेस बनाना है। इसके तहत सवाल, नोटिस, विधेयक और दूसरे दस्तावेज डिजिटल माध्यम से संभाले जा सकते हैं। हालांकि, कागज का इस्तेमाल पूरी तरह बंद होना इस बात पर निर्भर करेगा कि विधानसभा की सभी संबंधित प्रक्रियाएं किस हद तक डिजिटल व्यवस्था में स्थानांतरित होती हैं।

खराब सड़क पर अधिकारियों को नोटिस, सात जिलों में 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण

ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के दिए निर्देश



भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम में खराब सड़क पर कई बड़े अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव ने 7 जिलों के 35 निर्माण कार्यों के निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता संबंधी कमियों पर जवाबदेही तय करने और आवश्यक सुधार कराने के निर्देश दिए। विभाग के 7 निरीक्षण दलों ने 22 अक्टूबर को विदिशा, बालाघाट, श्योपुर, बड़वानी, मऊगंज, शाजापुर एवं दमोह जिलों में रैंडमली चयनित निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया था। इनमें लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं पुल) के 21, परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू-भवन) के 6, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के 07 तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम का एक कार्य शामिल था। निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई।

बनखेड़ी देवली धवली मार्ग की खराब गुणवत्ता पर कार्रवाई : समीक्षा में बड़वानी जिले में पीजी योजना के अंतर्गत 20.89 किलोमीटर लंबे बलवाड़ी देवली धवली मार्ग की कार्य स्थिति असंतोषजनक पाई गई। इसपर प्रबंध संचालक भरत यादव ने संबंधित कार्यपालन यंत्री, अनुविभागीय अधिकारी एवं उपयंत्री को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य अभियंता, इंदौर को संबंधित ठेकेदार मेसर्स सोरथिया वेलजी रत्ना एंड कंपनी, वडोदरा को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया।

सीएम ने राज्यपाल से की मुलाकात



भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार की सुबह लोकभवन पहुंचकर सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर आत्मीय चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यपाल को बताया कि राज्य सरकार द्वारा 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को किसानों की आमदनी बढ़ाने और इनके समग्र कल्याण के लिए किये जा रहे प्रयासों, बलराम कृषि महोत्सव आयोजन और किसान कल्याण वर्ष की अबतक की प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी वर्ष (2027) को मप्र सरकार युवा वर्ष के रूप में मनायेगी। इस युवा वर्ष में सरकार द्वारा प्रदेश के सभी युवाओं के लिए रोज़गार के नये-नये अवसर सृजित कर उनके कौशल विकास और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित कर युवाओं को उद्यमी से उद्योगपति बनाने के ठोस प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यपाल श्री पटेल को आगामी 1 नवंबर को मप्र के स्थापना दिवस समारोह आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने किसान हितैषी योजनाओं और कार्यों को जोड़कर 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल पटेल से 15 नवंबर को स्वतंत्रता सेनानी और महान जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस) पर होने वाले कार्यक्रमों और सरकार कीजनजातीय वर्ग के लिए विकास नीतियों पर चर्चा की।

श्रीकृष्ण पर शोध व मीमांसा करने वालों को सरकार देगी सहयोग और समर्थन

अभ्युदय सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा-लोकतंत्र के नायक हैं कृष्ण



भोपाल आरएचएम। शासन में मिले पद को जिम्मेदारी से निभाना और वचन देने के बाद उसे पूरा करना भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से सीखने योग्य संदेश हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन 'अभ्युदय के मौके पर कही, उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया और महाभारत के युद्ध में पांडवों का साथ दिया, लेकिन खुद सत्ता नहीं संभाली। उन्होंने योग्य व्यक्ति को राजसिंहासन सौंपा। इसिलए लोकतंत्र के सबसे बड़े नायक भगवान श्रीकृष्ण ही हैं उनके जीवन से जिम्मेदारी, वचनबद्धता और मित्रता के आदर्श सीखने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मप्र में जहां-जहां भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के चरण पड़े, उन स्थानों को श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण कर इन्हें श्रीराम तीर्थ और श्रीकृष्ण तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। श्रीकृष्ण के जीवन पर गहन शोध और सम्पूर्ण जीवन वृत्त की मीमांसा करने वाले शोधार्थियों और ऐसी संस्थाओं को हमारी सरकार पूरा साथ, समर्थन और सहयोग भी देगी। श्रीकृष्ण और सुदामा ने एक साथ उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की। हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था भी इसी समरसता के विचार के साथ आगे बढ़ रही है। डा यादव ने नंद बाबा और वसुदेव की मित्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि यशोदा माता ने दूसरे के बच्चे को अपना मानकर श्रीकृष्ण का पालन-पोषण किया। इससे भी समाज को प्रेरणा लेने की जरूरत है।

संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने श्रीकृष्ण पाथेय और श्रीराम वन गमन पथ के बारे में जानकारी दी और कहा कि भगवान राम ने अपने वनवास का सबसे अधिक समय मध्यप्रदेश में बिताया था। उन्होंने ओंकारेश्वर धाम में सरकार की ओर से विकसित व्यवस्थाओं के बारे में भी अतिथियों को बताया। सम्मेलन के संयोजक डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने स्वागत उद्बोधन दिया और आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सम्मेलन का विषय 'अभ्युदय- समग्र कल्याण के लिए पर्यावरण-सामाजिक उत्तरदायित्व-सुशासन और सभ्यतागत ज्ञान का समन्वय' है। इसमें इंडोनेशिया से पद्मश्री डॉ. अगुस इंद्र उदयाना, एस-व्यासा के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेंद्र, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के प्रतिनिधि श्रीराम तिवारी और अन्य अतिथि शामिल हुए। सम्मेलन में देशभर से कॉर्पोरेट प्रतिनिधि, शिक्षाविद, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सामाजिक क्षेत्र के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य उद्योग, सरकार, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाकर कौशल, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में व्यावहारिक मॉडल विकसित करना है। अभ्युदय का यह चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन है। यह सम्मेलन पर्यावरण, सामाजिक कल्याण और सुशासन को भारतीय सभ्यातगत ज्ञान और नैतिक दृष्टि के साथ जोड़कर समग्र विकास की संभावनाओं पर विचार करने के लिए किया जा रहा है।

'उमंग सिंघार दागदार फिर भी परोस रहे ज्ञान' एबीवीपी की लोकतंत्र बचाओ रैली

अटल पथ से न्यू मार्केट तक पहुंचे कार्यकर्ता



भोपाल आरएचएम। राजधानी में शनिवार को 'अराजकता रोको, लोकतंत्र बचाओ' रैली निकाली गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की भोपाल महानगर इकाई के तत्वावधान में यह प्रदर्शन किया गया। रैली में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर तीखे हमले किए गए। एबीवीपी की प्रांतीय नेत्री बबली शर्मा ने मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर करारा वार किया। उन्होंने कहा, 'उमंग सिंघार के कुर्ते पर दाग है, वह ज्ञान परोसने आ जाते हैं।' उन्होंने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी यह प्रक्रिया होती रही है, तो अब आपत्ति क्यों उठा रहे हैं? सभा में एबीवीपी नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में बिदेशी फंडिंग लेकर काम करने के आरोप लगाए।

जिनके कुर्ते दागदार, वो ज्ञान परोस रहे : एबीवीपी की प्रांतीय नेता बबली शर्मा ने कांग्रेस नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर करारा वार किया। उन्होंने कहा, 'उमंग सिंघार के कुर्ते पर दाग है, वह ज्ञान परोसने आ जाते हैं।' उन्होंने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी यह प्रक्रिया होती रही है, तो अब आपत्ति क्यों उठा रहे हैं? सभा में एबीवीपी नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में बिदेशी फंडिंग लेकर काम करने के आरोप लगाए।

भोपाल हाट में मिल रहे सिक्किम के मिलेट मोमोज, सोया व दम आलू

मंत्री पटेल ने रीजनल सरस मेले की शुरुआत की



भोपाल आरएचएम। भोपाल हाट में सिक्किम के मिलेट मोमोज, सोया व दम आलू के स्टॉल पर खूब भीड़ उमड़ रही है। मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने परिसर में 21वें रीजनल सरस मेला 2026 की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह भी उपस्थित थीं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित यह मेला 4 नवंबर तक संचालित रहेगा। मेले में चंदेरी साड़ियां, धार का प्रसिद्ध बाघ प्रिंट, बनारसी सिल्क, चमड़े के उत्पाद, हस्तशिल्प और हथकरघा से जुड़ी उत्कृष्ट सामग्रियां मिल रही हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय निगम ने बताया कि खरीदारी के साथ-साथ मेले में आगंतुकों के स्वाद और मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। फूड ज़ोन में सिक्किम के मिलेट मोमोज, सोया व दम आलू, उत्तर प्रदेश (अयोध्या) की प्रसिद्ध चाट व लिट्टी-चोखा, बालाघाट के लहसुन एवं मिलेट के चीले तथा उज्जैन की प्रसिद्ध चाट के स्टॉल लगाए गए हैं। यहां रोज शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी और बच्चों के खेल-कूद के साधन भी उपलब्ध हैं। मेला प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा।

नेशनल हेराल्ड की जमीन पर बीडीए का बेदखली दावा खारिज

प्रेस कॉम्प्लेक्स की जमीन का विवाद बरकरार

भोपाल आरएचएम। शहर के प्रेस कॉम्प्लेक्स में नेशनल हेराल्ड की जमीन से बेदखली का भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) का दावा खारिज कर दिया गया है। मामले में जिला कोर्ट ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। नेशनल हेराल्ड की प्रकाशन कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को वर्ष 1981 में 1,14 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। एमपी नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स में दी गई इस जमीन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए बीडीए ने आवंटन निरस्त कर बेदखली के लिए कोर्ट में केस लगाया था। यहां पहले हिंदी दैनिक अखबार नवजीवन का प्रकाशन होता था लेकिन 1992 में यह बंद हो गया। आरोप है कि कथित पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर गंगा एंटरप्राइजेज, नई दिल्ली के नरेंद्र कुमार मितल ने यहां विशाल इमारत बनवाकर कई लोगों को इसके हिस्से बेच दिए। इस पर बीडीए ने 2014 में कंपनी को नोटिस जारी किया था। नेशनल हेराल्ड की संपत्ति और मशीनरी हड़पने के आरोप में नरेंद्र कुमार मितल के खिलाफ भोपाल कोर्ट में केस चल रहा है। उन्हें भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। मितल के पूर्व पार्टनर हरमहेन्द्र सिंह बग्गा ने भी इमारत में एक हिस्से का मालिक घोषित किए जाने को लेकर केस लगाया है।

दिल्ली में महकी मप्र के चिन्नौर चावल की खुशबू

भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला मंच



भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश के चिन्नौर चावल की खुशबू देश की राजधानी नई दिल्ली में महकी। प्रतिष्ठित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026 में प्रदेश के बालाघाट जिले के जीआई टैग प्राप्त बालाघाट चिन्नौर चावल ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। इस सुगंधित चावल का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड (मंडी बोर्ड) भोपाल एवं कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष स्टॉल लगाया गया है। भारत मंडपम के इस बड़े मंच पर स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों और निर्यातकों द्वारा चिन्नौर चावल की जमकर सराहना की जा रही है। इस वैश्विक आयोजन में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व लालबर्रा चिन्नौर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कर रही है। एफपीओ के अध्यक्ष ईशूपाल चौहान एवं संचालक सदस्य राधेलाल पटले ने स्टॉल पर आए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के चावल निर्यातकों, व्यापारियों और प्रतिनिधियों को चिन्नौर चावल की गुणवत्ता, प्राकृतिक सुगंध और इसके औषधीय व पारंपरिक महत्व से अवगत कराया। सम्मेलन के माध्यम से स्थानीय किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बड़े भारतीय निर्यातकों सहित विदेशी बायर्स के साथ सीधे बिजनेस-टू-बिजनेस संवाद करने का सुनहरा अवसर मिला है। इससे बालाघाट के जैविक और पारंपरिक रूप से उत्पादित चिन्नौर चावल को अंतर्राष्ट्रीय बाजार मिलने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

ओबीसी को लुभाने कांग्रेस ने आरक्षण की लड़ाई लड़ने बनाई कमेटी

भोपाल आरएचएम। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग- ओबीसी को लुभाने के लिए कांग्रेस ने नई कवायद की है। पार्टी ने 27 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई लड़ने राज्य स्तरीय कमेटी गठित की है। इसमें 7 सदस्य रखे गए हैं। यह कमेटी ओबीसी वर्ग के अधिकारों, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक विकास के साथ ही आरक्षण की प्रभावी पैरवी के लिए काम करेगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस की इस ओबीसी कमेटी में अरुण यादव (पूर्व केंद्रीय मंत्री), कमलेश्वर पटेल (कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य), हिना कांवरे (पूर्व मंत्री / विधायक), सिद्धार्थ कुशवाहा (विधायक) के साथ ही विकास गुर्जर (ओबीसी नेता), राजकुमार पटेल (वरिष्ठ नेता) तथा राजमणि पटेल (राज्यसभा सांसद, मध्य प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष) को शामिल किया गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार यह कमेटी गठित की गई है। हम मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक उत्थान तथा आरक्षण सहित उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिजली कटौती पर नाराज सारंग, तत्काल सुधार के दिए निर्देश

स्थायी ढांचा तैयार करने पर दिया जोर

भोपाल आरएचएम। राजधानी के भेल क्षेत्र में बिजली की समस्या से जूझ रहे रहवासियों को राहत दिलाने के लिए प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई। उनके साथ समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की। मंत्री विश्वास सारंग ने 4-5 माह में बिजली का स्थायी ढांचा विकसित करने की बात कही है। इससे अन्ना नगर सहित झुग्गी बस्तियों के रहवासियों को सुविधा हो जाएगी। बैठक में भेल प्रबंधन, बिजली विभाग, जिला प्रशासन, राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ क्षेत्र के रहवासियों का प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा।

सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्ना नगर सहित भेल क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में बिजली आपूर्ति तत्काल सुचारु की जाए, ताकि रहवासियों को बिजली कटौती के कारण होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में बिजली की समस्या का समाधान केवल तात्कालिक व्यवस्था तक सीमित न रहे, बल्कि इसके लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि आगामी 4 से 5 महीनों में मध्यप्रदेश बिजली विभाग के माध्यम से भेल क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में आवश्यक विद्युत अधोसंरचना विकसित की जाएगी। इसके अंतर्गत बिजली वितरण से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे सब स्टेशन स्थापित कर रहवासियों को स्थायी विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

इसके लिए भेल प्रबंधन और मध्यप्रदेश बिजली विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। एडीएम और एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी भेल एवं बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर आवश्यक प्रक्रियाओं का निराकरण करेंगे, ताकि बिजली की अधोसंरचना विकसित करने और स्थायी कनेक्शन उपलब्ध कराने में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके।

गौरतलब है कि हाल ही में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण अन्ना नगर सहित भेल क्षेत्र के अन्य इलाकों के रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। बैठक में भेल के एजीवयूटिव डायरेक्टर प्रदीप उपाध्याय भी उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो. : 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com